क्रांति समय
हिन्दी दैनिक अखबार में विज्ञापन, प्रैस नोट, जन्म दिन की शुभकामनाएँ, या अपने विस्तार में किसी भी समस्या को अखबार में प्रकाशित करने के लिए संपर्क करें:-
4-0 ब्लोक, आगाम नवकार कॉम्पलेकक्ष, नीयर सचिन रेल्वे स्टेशन,सचिन, सूरत-394230
मो. 9879141480

दैनिक
क्रांति समय

RNI.No. : GUJHIN/2018/75100

क्रांति समय
हमारे यहां पर एल.आई.सी., कार-बाईक-ट्रक का इन्सयोरेंशन, रेल टिकट, एयर टिकट बनवाने के लिए संपर्क करें:-
4-0 ब्लोक, आगाम नवकार कॉम्पलेकक्ष, नीयर सचिन रेल्वे स्टेशन,सचिन, सूरत-394230
मो. 8980974047

E-mail: krantisamay@gmail.com
संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480
सूरत, वर्ष: 1 अंक: 173, मंगलवार, 17 जुलाई, 2018, पेज: 4, मुल्य 1 रु.
ऑफिस:- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात
Email: krantisamay@gmail.com Web site : www.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

दीदी राज में मोदी की दादागिरी

बालेश्वर।
चांदीपुर स्थित इंटिग्रेटेड टेस्ट रेंज (आईटीआर) से सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल ब्रह्मोस का सोमवार को सफल प्रायोगिक परीक्षण किया गया। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन के सूत्रों ने बताया कि आईटीआर से मिसाइल को करीब सवा दस बजे प्रक्षेपित किया गया। इसने निर्धारित प्रक्षेपण पथ के रास्ते अपने मिशन के लक्ष्य को हासिल किया। इस वर्ष 21 मई और 22 मई को ब्रह्मोस मिसाइल के 2 परीक्षण किए गए थे। इनमें 'मेक इन इंडिया' के तहत स्वदेश विकसित प्रमुख सब-सिस्टम का परीक्षण भी हुआ है। सेवा विस्तार कार्यक्रम के तहत 21 मई को आईटीआर से मिसाइल का सफल प्रक्षेपण किया गया था। ब्रह्मोस डीआरडीओ और रूस की एनपीओएम का एक संयुक्त उपक्रम है। यह मिसाइल भारतीय सेना, नौसेना और वायुसेना में शामिल की जा चुकी है।

न्यूज फ्लैश

शशि थरूर के ऑफिस में हुई जमकर तोड़फोड़

तिरुवनंतपुरम।
कांग्रेस नेता शशि थरूर के निर्वाचन क्षेत्र तिरुवनंतपुरम स्थित उनके ऑफिस में कुछ उपद्रवियों ने सोमवार को जमकर तोड़फोड़ की। यही नहीं, शशि थरूर के 'हिंदू पाकिस्तान' वाले बयान के बाद नाराज लोगों ने उनके कार्यालय की दीवारों पर ब्लैक ऑइल भी फेंका। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया है कि इस हमले के पीछे बीजेपी युवा मोर्चा के सदस्यों का हाथ है। शशि थरूर ने कहा, 'लोग अपनी समस्याएं लेकर आते हैं लेकिन आप उन्हें डराकर दूर भगा देते हैं। क्या यही हम अपने देश में चाहते हैं? यह बात मैं एक सांसद के नाते नहीं बल्कि एक आम नागरिक होने के रूप में पूछ रहा हूं। जहां तक मैं जानता हूं कि यह हिंदुत्व नहीं है।'

सरकार से सुप्रीम सवाल, लोगों की जिंदगी जरूरी या उद्योग?

नई दिल्ली।
राजधानी दिल्ली में बढ़ते पलूशन के मामले की सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि देश के लोगों की जिंदगी इंडस्ट्रीज से ज्यादा महत्वपूर्ण है। सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान एक रिपोर्ट का हवाला देकर बताया गया कि 2017 में प्रदूषण के कारण 60 हजार लोगों की जान गई। 1985 में एमसी मेहता की ओर से अर्जी दाखिल कर राजधानी दिल्ली में वायु प्रदूषण पर रोक लगाने की मांग की गई थी जिस पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई चल रही है। सुप्रीम कोर्ट ने सरकार से पूछा कि वह बताए कि लोगों के स्वास्थ्य पर क्या असर होगा, इसकी स्टडी किए बिना ही क्या पेट कोक आयात की इजाजत दे दी गई थी? जस्टिस मदन बी लोकूर और जस्टिस दीपक गुप्ता की बेंच ने वन एवं पर्यावरण मंत्रालय की तब खिंचाई की जब मंत्रालय ने जवाब देने के लिए वक्त मांगा। अदालत ने कहा कि लगता है कि आप पेट कोक को इजाजत देने में काफी जल्दी में लगते हैं। क्या पिछली बार आपने पेट कोक के आयात से पहले स्टडी की थी?

नगा वार्ता पर बोले सीएम, ...वरना दे दूंगा इस्तीफा

इंफाल।
केंद्र सरकार और नगा गुटों के बीच चल रही वार्ता के किसी निष्कर्ष तक पहुंचने से पहले मणिपुर के सीएम एन बीरेन सिंह ने चेतावनी दी है कि यदि राज्य की क्षेत्रीय अखंडता के साथ किसी तरह का समझौता किया जाएगा तो वह इस्तीफा देने के लिए मजबूर हो जाएंगे। उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि ऐसी परिस्थिति में राज्य में होने वाली प्रतिक्रिया भी नियंत्रण से बाहर होगी। दिल्ली में केंद्र सरकार के कई मंत्रियों से मुलाकात के बाद सीएम एन बीरेन सिंह ने सोमवार को मीडिया से बातचीत में कहा, 'मणिपुर के लोगों के लिए इतिहास, बैकग्राउंड और वर्तमान राज्य का संरक्षण बेहद महत्वपूर्ण है। यदि वर्तमान शांति वार्ता (नगा समूहों के साथ) में कुछ होता है तो राज्य के लोगों की प्रतिक्रिया को रोकना नियंत्रण से बाहर होगा। मेरी चिंता यह है कि केंद्र सरकार कोई भी फैसला लेने से पहले औपचारिक रूप से मणिपुर विधानसभा और सरकार को सूचित करे।' उन्होंने कहा, 'इस समय मैं यह नहीं कह सकता हूं कि यह (क्या समाधान में मणिपुर के क्षेत्र के साथ कोई समझौता होगा) होगा।

'पश्चिम बंगाल में पूजा भी करना मुश्किल हो गया है', रैली में टेंट गिरने से 22 लोग घायल, मोदी ने लिया हाल

मिदनापुर।
पीएम नरेंद्र मोदी ने सोमवार को पश्चिम बंगाल में किसानों के मुद्दों के जरिए राज्य सरकार और विपक्ष पर जमकर हमला बोला। पीएम ने कहा कि किसानों के लिए किसी ने नहीं सोचा है। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार ने किसानों के लिए एमएसपी बढ़ाकर देश के अन्नदाता की आमदनी बढ़ाने का काम किया है। सरकार की उपलब्धियां गिनाते हुए मोदी ने विपक्षी दलों को आड़े हाथों लिया। पीएम ने राज्य सरकार पर करारा प्रहार करते हुए कहा कि पश्चिम बंगाल में पूजा भी करना मुश्किल हो गया है। भ्रष्टाचार का जिक्र करते हुए उन्होंने पश्चिम बंगाल सरकार को सिंडिकेट से संबोधित किया। पीएम मोदी ने कहा कि यहां सिंडिकेट को बिना चढ़ावा के काम कराना भी मुश्किल है।

ममता बनर्जी पर पीएम का तंज

मोदी ने अपने भाषण की शुरूआत पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर तंज कसते हुए की। रैली स्थल पर लगाए गए ममता बनर्जी के होर्डिंग का जिक्र करते हुए मोदी ने कहा कि ममता प्रधानमंत्री के स्वागत के लिए खुद हाथ जोड़े मौजूद हैं। मोदी ने कहा, 'मैं ममता दीदी का भी बहुत आभारी हूं, क्योंकि मैंने देखा कि उन्होंने मेरे स्वागत में इतने झंडे लगाए हैं। मैं उनका आभार व्यक्त करता हूं। मैं ममता दीदी का इसलिए भी आभार व्यक्त करता हूं क्योंकि वह स्वयं सत्कार करते हुए हाथ जोड़ने की मुद्रा में प्रधानमंत्री के स्वागत के लिए मौजूद हैं। उन्होंने चारों तरफ अपने होर्डिंग लगाए हैं। किसानों के हित में समर्थन मूल्य बढ़ाने का हमने जो इतना बड़ा फैसला किया है उसके कारण तृणमूल कांग्रेस को उनके स्वागत के लिए झंडे लगाने पड़े।

राज्य में पूजा करना भी मुश्किल, बिना चढ़ावे का कोई काम नहीं: पीएम मोदी ने अपने संबोधन में पश्चिम बंगाल सरकार को सिंडिकेट कहकर संबोधित किया।

निशाना साधा

● पश्चिम बंगाल की सरकार का हाल हम जानते हैं। किसानों को लाभ नहीं, गरीब का विकास नहीं, नौजवानों को अवसर नहीं: पीएम

रैली में टेंट गिरने से 22 लोग घायल

मिदनापुर।
पश्चिम बंगाल के मिदनापुर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रैली के दौरान हादसा हो गया। तेज बारिश के चलते यहां लगा एक टेंट भर-भराकर गिर पड़ा, जिससे 22 लोग घायल हो गए। आनन-फानन में सभी घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। रैली के बाद पीएम मोदी भी घायलों का हाल जानने के लिए अस्पताल पहुंचे। एक पुलिस अधिकारी ने बताया के रैली स्थल के मुख्य प्रवेश के निकट यह तंबू खड़ा किया था ताकि बारिश से बचने के लिए लोग इसकी शरण ले सकें। अधिकारियों ने बताया कि रैली के दौरान अनेक उत्साही बीजेपी समर्थक तंबू के अंदर जमा होते दिखे।

प्रधानमंत्री उनसे ध्यान रखने के लिए कहते सुने जा सकते थे। अधिकारियों के अनुसार, प्रधानमंत्री जब भाषण दे रहे थे उसी दौरान उन्होंने तंबू को ढहते देखा। उन्होंने अपने पास खड़े एसपीजी कर्मियों को तत्काल लोगों की देखभाल और घायलों की मदद करने को कहा। अधिकारियों ने बताया कि बीजेपी की स्थानीय इकाई और साथ ही डाक्टर तथा एसपीजी कर्मी समेत मोदी के निजी स्टाफ घायलों की मदद के लिए आगे आए। बता दें कि सोमवार को पीएम नरेंद्र मोदी पश्चिम बंगाल दौरे के पर मिदनापुर पहुंचे थे। यहां पीएम ने रैली में किसानों के मुद्दों के जरिए राज्य सरकार और विपक्ष पर जमकर हमला बोला।

पीएम की रैली के दौरान यहां लगातार तेज बारिश हो रही थी। पीएम का भाषण खत्म होने से पहले ही अचानक एक टेंट गिर गया और इसकी चपेट में आकर 22 लोग जख्मी हो गए। पीएम मोदी ने स्थानीय अस्पताल पहुंचकर घायलों की सेहत के बारे में जानकारी ली। उन्होंने अस्पताल में घायलों को ढाढस भी बंधाया। इस बीच पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री बनर्जी ने ट्वीट कर पीएम की रैली में टेंट गिरने से हुए घायलों के प्रति संवेदना जताई है। उन्होंने ट्वीट किया, 'रैली में जख्मी हुए लोगों के जल्द स्वस्थ होने के लिए हम ईश्वर से प्रार्थना करते हैं। सरकार इन लोगों की मदद की हरसंभव कोशिश करेगी।' रैली के दौरान टेंट गिरने से जख्मी हुए लोगों से मिलने पीएम खुद अस्पताल पहुंचे। अस्पताल में एक घायल बच्ची का हौसला बढ़ाते हुए प्रधानमंत्री ने कहा, 'बहुत हिम्मत है बेटा तुम्हारे में... तुम जल्द ही ठीक हो जाओगी...'।

4 साल में सबसे ऊंचाई पर पहुंची थोक महंगाई

नई दिल्ली।
थोक मूल्य सूचकांक पर आधारित मुद्रास्फीति जून में बढ़ कर 5.77% पर पहुंच गई, जो 4 साल में सर्वाधिक है। मुख्य रूप से सब्जियों और ईंधन के महंगा होने से मुद्रास्फीति का दबाव बढ़ा है। मई में थोक मूल्य सूचकांक पर आधारित मुद्रास्फीति 4.43% और पिछले साल जून में 0.90% थी। सोमवार को जारी सरकारी आंकड़ों के अनुसार खाद्य वस्तुओं के वर्ग में मुद्रास्फीति जून 2018 में 1.80% रही जो मई में 1.60% थी। सब्जियों के भाव सालाना आधार पर 8.12% ऊंचे रहे। मई में सब्जियों की कीमतें 2.51% बढ़ी थीं। बिजली और ईंधन क्षेत्र की मुद्रास्फीति दर जून में बढ़कर 16.18% हो गई जो मई में 11.22% थी। इसकी प्रमुख वजह वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमत बढ़ना है। इस दौरान आलू की कीमतें एक साल पहले की तुलना में 99.02% ऊंची चल रही थीं। मई में आलू में मुद्रास्फीति 81.93% थी।

एक आतंकी ढेर, 2 जवान घायल

श्रीनगर।
जम्मू कश्मीर में आतंकी गतिविधियों में कोई कमी नजर नहीं आ रही है। सोमवार सुबह ही नियंत्रण रेखा के समीप कुपवाड़ा में सेना और आतंकवादियों के बीच हुई मुठभेड़ में एक दहशतगर्द मारा गया, जबकि दो जवान घायल हो गए। घटनास्थल से एक 47 राइफल भी बरामद की गई है। इससे पहले 11 जुलाई को उत्तरी कश्मीर के कुपवाड़ा जिले के कांडी जंगल क्षेत्र में एक एनकाउंटर में सिपाही मुकुल मीना को गोली लग गई जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें वहां से सुरक्षित निकालकर दुर्गमूला में सैन्य अस्पताल पहुंचाया गया जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

'समाज के लिए महिला सशक्तिकरण महत्वपूर्ण'

शिमला।
देश में महिलाओं की आधी जनसंख्या है, महिलाओं सशक्तिकरण के बिना समाज के विकास के बारे में सोचा भी नहीं जा सकता है। मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर हिमाचल प्रदेश महिला आयोग द्वारा राज्य स्तरीय विधिक जागरूकता कार्यक्रम एवं सशक्त महिला सम्मान समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि महिला सशक्तिकरण के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता है यदि महिलाओं को अवसर प्रदान किए जाए तो वे हर क्षेत्र उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकती हैं। यद्यपि महिला सशक्तिकरण के लिए अनेक कानून है परन्तु महिलाओं के विरूद्ध अपराध को रोकन के लिए बहुत कुछ किया जाना बाकी है। इसके लिए केवल कानून बनाना पर्याप्त नहीं है बल्कि सामज की सोच को बदलना आवश्यक है। जय राम ने कहा कि राज्य महिला आयोग महिलाओं के सशक्तिकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के साथ-साथ उन्हें उनके अधिकारों के प्रति जागरूक भी कर रहा है। राज्य महिला आयोग में प्रतिवर्ष लगभग 1000 मामले आते हैं, आयोग द्वारा 600 मामलों का निपटारा सौहाद्रपूर्ण तरीके से किया जाता है। महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने के लिए प्रदेश में आयोग द्वारा नौ महिला जागरूकता शिविर तथा पांच विधिक जागरूकता शिविर आयोजित किए गए।

प्रयास

● महिलाओं सशक्तिकरण के बिना समाज के विकास के बारे में सोचा भी नहीं जा सकता है: मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर

हादसों में केवल सड़कें दोषी नहीं: पाटील

मुंबई।
मुंबई में सड़कों पर बने गड्ढों ने अब तक 5 लोगों की जान ले ली है।

इस मामले में महाराष्ट्र सरकार के मंत्री चंद्रकांत पाटील ने विवादास्पद बयान देते हुए कहा कि हादसों के लिए केवल गड्ढे दोषी नहीं हैं। सार्वजनिक बांधकाम मंत्री तथा राजस्व मंत्री चंद्रकांत पाटील ने कहा कि इस रास्ते से करीब 5 लाख लोग गुजरे होंगे, इसलिए सड़क हादसों में सारा दोष रास्तों का नहीं बताया जा सकता।

'कांग्रेस एक घोर सांप्रदायिक पार्टी'

राहुल ने कांग्रेस को मुसलमानों की पार्टी बताया था: कांग्रेस नेता

नई दिल्ली/एक्शन इंडिया न्यूज
कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी द्वारा मुस्लिम बुद्धिजीवियों के बीच कथित तौर पर कांग्रेस को मुसलमानों की पार्टी बताने का विवाद थमता नजर नहीं आ रहा है। कांग्रेस ने भले ही उस उर्दू अखबार की रिपोर्ट को सिरे से खारिज किया हो जिसमें दावा किया गया था कि राहुल गांधी ने कांग्रेस को मुस्लिमों की पार्टी बताया था। लेकिन अब उसी अखबार में कांग्रेस के अल्पसंख्यक मोर्चे के प्रमुख नदीम जावेद का इंटरव्यू छपा है, जिसमें कांग्रेस नेता ने एक तरह से यह पुष्टि की है कि राहुल गांधी ने कांग्रेस को मुसलमानों की पार्टी बताया था। इधर, बीजेपी भी इस मौके को हाथ से जाने नहीं देना चाहती है और लगातार कांग्रेस पर हमले कर रही है।

विवाद

● कांग्रेस के लोग देश की अवधारणा को समझते ही नहीं हैं और इसी कारण ऐसा बयान दे रहे हैं: प्रकाश

बीजेपी के वरिष्ठ नेता प्रकाश जावड़ेकर ने सोमवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि कांग्रेस का इन आरोपों से इनकार करना उसका पाखंड है। जावड़ेकर ने कहा कि कांग्रेस एक घोर सांप्रदायिक पार्टी है।

आसिया को एक महीने की न्यायिक हिरासत

नई दिल्ली/एक्शन इंडिया न्यूज
दिल्ली की एक अदालत ने कश्मीरी अलगाववादी आसिया अंद्राबी को सोमवार को एक महीने की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। पाकिस्तान की मदद से देश के खिलाफ कथित तौर पर युद्ध छेड़ने का है। जांच एजेंसी की 10 दिन की हिरासत की अवधि समाप्त होने पर प्रतिबंधित संगठन दुख्तरान-ए-मिलान की प्रमुख अंद्राबी को उसकी दो महिला सहयोगियों समेत अदालत के समक्ष पेश किया गया। उन्हें हिरासत में लेकर पूछताछ करने की अब जरूरत नहीं है।

रथयात्रा मेला :

परंपरा का निर्वाह करने दूसरे दिन रथयात्रा पहुंचे कुंवर

वाराणसी (एजेंसी)। काशीराज परिवार की दो सौ वर्ष से अधिक पुरानी परंपरा का निर्वाह करते हुए कुंवर अनंत नारायण सिंह रविवार को दूसरे दिन रथयात्रा मेला में पहुंचे। कुंवर के पहुंचने पर आयोजक मंडल और भक्त समुदाय ने जय जगन्नाथ और हरहर महादेव के जयघोष से उनका अभिनंदन किया। भगवान जगन्नाथ, सुभद्रा और बलभद्र के विग्रह पर तुलसीदल अर्पित कर कुंवर भगवान के रथ के आगे नतमस्तक हुए। फिर रथ की परिक्रमा की और पुन: विग्रह के सामने खड़े हो गए। रथ पर उपस्थित पं. हिमांशु मिश्रा ने कुंवर को तुलसी की माला और प्रसाद के साथ आशीर्वाद दिया। मेला क्षेत्र में मौजूद लोगों की आस्था देखते ही बनती थी। रथ खींचने के निर्धारित समय पर न पहुंच पाने वाले भक्तों ने दर्शन-परिक्रमा के दौरान पहिए धुमा कर ही रथ खींचने की अनुभूति की। रथ के 14 पहियों में एक को जमीन से ऊंचा कर दिया जाता है। ताकि भक्त उसे घुमा सकें। दिनभर कड़ी धूप के बाद शाम को मेले की रौनक बढ़ गई। दर्शन पूजन के साथ खाने-खिलाने से लेकर खरीदारी तक का दौर देर रात तक चलता रहा। कोई चटपटी चाट, गोलगप्पों और चाउमिंग के चटखारे ले रहा था, कोई बच्चों के साथ खिलौनों के स्टालों पर व्यस्त था। मेला क्षेत्र से लौटने वालों के गले में तुलसी की माला और हाथ में नानखटाई के थैले दिख रहे थे। रात्रि आठ बजे भोग आरती के समय मेला क्षेत्र आस्थावानों की भीड़ से खचाखच भरा था। सफेद और लाल रंग के फूलों से श्रृंगार किया गया। प्रात: नौ बजे कुंवर अनंत नारायण सिंह की उपस्थिति में छौंके हुए मूंग, चना, पेड़ा, गुड़ एवं खांड़सारी नीबू के तुलसीयुक्त शर्बत का भोग लगाया गया। इस्कॉन की भजन मंडली ने किशोरी किशोर दास के नेतृत्व में चैतन्य महाप्रभु के भजनों का गायन किया।

18 जुलाई से मॉनसून सत्र सरकार ने विपक्षी दलों से तीन तलाक, पिछड़ा वर्ग आयोग को संवैधानिक दर्जा पर सहयोग मांगा है

'महिला आरक्षण बिल के पक्ष में कांग्रेस'

नई दिल्ली।
कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने पीएम नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर संसद के मॉनसून सत्र में महिला आरक्षण बिल लाने की मांग की है। राहुल ने अपने पत्र में कहा है कि कांग्रेस संसद में इस बिल का समर्थन करेगी। राहुल के इस पत्र को बीजेपी के तीन तलाक विधेयक के जवाब के तौर पर देखा जा रहा है। दरअसल, बीजेपी भी तीन तलाक पर इस सत्र में विधेयक लाना चाह रही है और इसके लिए वह विपक्षी दलों से सहयोग की मांग कर चुकी है। संसद का मॉनसून सत्र 18 जुलाई से 10 अगस्त तक चलेगा। राहुल ने कहा है कि संसद और विधानसभाओं में महिलाओं को 33 फीसदी आरक्षण मिलना चाहिए। इस बाबत यूपीए चेयरपर्सन सोनिया गांधी ने भी 2010 में राज्यसभा में पास होने के बाद यह बिल लोकसभा में पास नहीं हो सका। वर्ष 1993 में संविधान में 73वें और 74वें संशोधन के जरिए पंचायत और नगर निकाय में एक तिहाई सीटों को महिलाओं के लिए आरक्षित किया गया था। महिला आरक्षण को मंजूरी देने के लिए संविधान में संशोधन करना होगा। अलग-अलग दल महिला आरक्षण में अलग-अलग समुदाय की महिलाओं की आरक्षण की मांग कर रहे हैं।

मांग

● बीजेपी भी तीन तलाक पर इस सत्र में विधेयक लाना चाह रही है और वह विपक्षी दलों से सहयोग की मांग कर चुकी है

पिछले साल केंद्र सरकार को पत्र लिखा था। बता दें कि महिला आरक्षण विधेयक पिछले काफी समय से लटका है। 1996 में तत्कालीन पीएम एच. डी. देवगौड़ा के कार्यकाल में इस बिल को संसद में पेश किया गया था।

असफलताओं की कसौटी पर ही मनुष्य के धैर्य, साहस और लगनशील की परख होती है। जो इसी कसौटी पर खरा उतरता है, वही वास्तव में सच्चा पुरुषार्थी है - हजारी प्रसाद द्विवेदी

''वाटरलू' का मैदान

उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ के मुंदरी गांव में पूर्वांचल एक्सप्रेस वे के शिलान्यास के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का भाषण चुनावी भाषण जैसा ही था। उन्होंने कांग्रेस, सपा और बसपा पर जमकर प्रहार किया। भाजपा जानती है कि आगामी लोक सभा चुनाव में उत्तर प्रदेश उसके लिए ''वाटरलू' का मैदान साबित होने जा रहा है। यदि कांग्रेस, सपा और बसपा का चुनाव पूर्व गठबंधन हो गया तो यह इतना शक्तिशाली जातीय समीकरण है कि भाजपा इस सूबे से सूपड़ा साफ हो सकता है। विपक्ष के इस संभावित गठबंधन से भाजपा के रणनीतिकार अंदर-ही-अंदर भयभीत भी हैं। इसीलिए प्रधानमंत्री मोदी ने अपने भाषण के दौरान तीन तलाक के मुद्दे पर कांग्रेस को घेरने की कोशिश की। उन्होंने कांग्रेस की मुस्लिम तुष्टिकरण नीति को मुद्दा बनाया। उन्होंने एक उर्दू अखबार में कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी के दिए हुए बयान को मुद्दा बनाया, जिसमें राहुल गांधी ने कांग्रेस को मुसलमानों की पार्टी बताया है। प्रधानमंत्री मोदी ने साफ तौर पर कहा कि राहुल गांधी के बयान से उन्हें कोई आश्चर्य नहीं हुआ क्योंकि कांग्रेस के ही पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने कहा था कि देश के प्राकृतिक संसाधनों पर पहला हक मुसलमानों का है। हालांकि कांग्रेस ने प्रधानमंत्री मोदी के आरोप का खंडन करने हुए यह कहा कि कांग्रेस पार्टी सभी धर्मों, जातियों और समुदायों का प्रतिनिधित्व करने वाली पार्टी है। यह सच है कि कांग्रेस की राजनीति मुस्लिम तुष्टिकरण की नीति पर टिकी रही है। शाहबानो के मामले में भी कांग्रेस का ऐसा ही रुख था, जैसा कि तीन तलाक के मामले पर उसका रुख सामने आया है। इसी हफ्ते संसद का मानसून सत्र शुरू होने जा रहा है। उम्मीद है मोदी के तीन तलाक पर इस रुख का असर सत्र में दिखाई पड़े। दरअसल, भाजपा और कुछ अन्य क्षेत्रीय पार्टियों के उभार के बाद कांग्रेस का अखिल भारतीय प्रभुत्व लगभग समाप्त हो गया है। एक समय था जब समाज के सभी वगरे का वह प्रतिनिधित्व करती थी, लेकिन धीरे-धीरे दलित, पिछड़े और मुसलमान उससे छिटक कर दूसरी पार्टियों में चले गए। तब से कांग्रेस दुविधाग्रस्त है। कभी वह हिन्दुओं को तुष्ट करना चाहती है तो कभी मुसलमानों को। अयोध्या में राम लला के शिलान्यास के समय भी कांग्रेस ऐसी ही दुविधा से ग्रस्त थी। भाजपा को इसका चुनावी लाभ मिलता रहा है। लेकिन सपा-बसपा के जातीय समीकरण का वह कैसा मुकाबला करती है, यह देखने वाली बात होगी।

विश्व में छठी बड़ी अर्थव्यवस्था

भारत अर्थव्यवस्था के मामले में फ्रांस को पीछे छोड़ते हुए विश्व में छठी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। विश्व बैंक के 2017 के अपडेट किए गए आंकड़ों के अनुसार, भारत की जीडीपी (अर्थव्यवस्था) पिछले वर्ष के आखिर तक 2.597 ट्रिलियन डॉलर थी, जबकि इस अवधि के दौरान फ्रांस की जीडीपी 2.597 ट्रिलियन डॉलर रही। भारत ने एक दशक के भीतर अपनी साल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) को दोगुना कर लिया है और इसके एशिया में एक प्रमुख आर्थिक शक्ति के रूप में उभरने के आसार हैं, क्योंकि एशिया की सबसे बड़ी आर्थिक महाशक्ति चीन मंदी की गिरफ्त में आ चुका है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के अनुसार, भारत के इस वर्ष 7.4 प्रतिशत की दर से और 2019 में 7.8 प्रतिशत दर की विकास दर हासिल करने की उम्मीद है। गौरतलब है कि अमेरिका विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। इसके बाद चीन, जापान, जर्मनी, ब्रिटेन और भारत का स्थान आता है। लंदन स्थित सलाहकार कंपनी सेंटर फॉर इकोनॉमिक्स एंड बिजनेस रिसर्च ने पिछले वर्ष के अंत में कहा था कि भारत जीडीपी के लिहाज से इस वर्ष ब्रिटेन एवं फ्रांस दोनों को ही पीछे छोड़ देगा और 2032 तक विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। भारत ने फ्रांस को तो पीछे छोड़ ही दिया है और इसके पूरे आसार हैं कि जल्द ही भारत ब्रिटेन को भी जल्द पीछे छोड़ देगा। बेहतर कर सुधारों और विनिर्माण क्षेत्र और उपभोक्ता व्यय की बदौलत यह उल्लेखनीय सुधार देखने में आया है। लेकिन साथ-साथ इस पर भी गौर करना जरूरी है कि आर्थिक दर में यह मजबूती पिछले लगातार एक दशक से आ रहे आर्थिक सुधारों का नतीजा है। भ्रष्टाचार, उत्पादकता में कमी के अतिरिक्त, विकास के अन्य कई संकेतकों में हम अभी भी बहुत पीछे हैं। बेरोजगारी वर्तमान सरकार के लिए लगातार दुखती रग बनी है, असंगठित क्षेत्र की बदहाली, व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण के क्षेत्र में अभी बहुत कुछ किया जाना बाकी है। विश्व में छठी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने पर ज्यादा खुश होने से बेहतर यह होगा कि सरकार वास्तविक धरातल पर ठोस कदम उठाए।

धर्मनिरपेक्ष और जनतांत्रिक

आज के अखबारों में सीपीआई (एम) के महासचिव सीताराम येचुरी के कोलकाता में हुए एक संवाददाता सम्मेलन की रिपोर्ट छपी है। अपनी पार्टी की पश्चिम बंगाल राज्य कमेटी की बैठक के बाद वह संवाददाता सम्मेलन कर रहे थे। इसमें उन्होंने जोर देकर सबसे मार्के की बात यही कही है कि ''देश में धर्मनिरपेक्ष जनतांत्रिक संविधान की रक्षा और आम लोगों के जीवन-जीविका में सुधार, यह सब पूरी तरह से मोदी सरकार को खत्म करके ही मुमकिन है। यह बात अब सब लोग समझ रहे हैं कि इस सरकार के रहते देश और जनता की रक्षा नहीं की जा सकती है। सभी राजनीतिक दलों पर मोदी सरकार को खत्म करने के लिए जनमत का दबाव बढ़ता जा रहा है। यह बहुत तात्पर्यपूर्ण लक्षण है।

सतीश पेडणोकर

अमर्त्य सेन ने अपने एक साक्षात्कार में-जिसमें उन्होंने मोदी के चार साल को तेजी से विकासमान भारत के पूरी तरह से उल्टी दिशा में एक लंबी छलांग बताया है-एक महत्त्वपूर्ण बात कही कि 2019 के चुनाव में भारत का अपना सत्य दांव पर होगा, धर्मनिरपेक्ष और जनतांत्रिक भारत का सत्य। इसे दार्शनिक भाषा में कहें तो 2019 का चुनाव भारत की सभी धर्मनिरपेक्ष और जनतांत्रिक ताकतों के सारे भेदाभेद के उपरांत धर्मनिरपेक्ष और जनतांत्रिक भारत के अभेद सत्य की प्राप्ति का चुनाव होगा। इसमें व्यक्तिगत या दलगत, दूसरी किसी भी आकांक्षा-महत्त्वाकांक्षा का कोई अर्थ नहीं होगा। जो लोग चुनावी गणित या ज्योतिषी फलन की तरह की अटकलबाजियों में इस चुनाव के सत्य को, इसके द्वंद्व के अभेद को धुंधलाते हैं, इसे व्यक्तियों की महत्त्वाकांक्षाओं से जोड़ कर देखते या दिखाने की कोशिश करते हैं, आप बेधड़क कह सकते हैं कि अगर वे अपने को धर्मनिरपेक्ष और जनतंत्रवादी मानते हैं तो धर्मनिरपेक्ष भारत की नहीं, किसी-न-किसी रूप में शत्रु पक्ष की ही सेवा कर रहे होते हैं। भारत में संसदीय चुनाव के अवसरों पर हमने पहले भी बार-बार कहा है कि इनमें कभी नव-उदारवाद (अर्थात आज के युग का पूंजीवाद) चुनाव का मुद्दा नहीं बन सकता है। यह संसदीय जनतंत्र के अपने जगत का एक अभिन्न सत्य, उसकी नियंतग्रता है। इसमें किसी भी प्रकार के ''समाजवादी' प्रकार के मुद्दों को सामने लाना चुनाव के असली परिप्रेक्ष्य को गड्डु-मड्डु करने की तरह होता है, जो अंतत: इस जगत पर फासीवाद के हमलों के लिए सहायक होता है। आज के अखबारों में सीपीआई (एम) के महासचिव सीताराम येचुरी के कोलकाता में हुए एक संवाददाता सम्मेलन की रिपोर्ट छपी है। अपनी पार्टी की पश्चिम बंगाल राज्य कमेटी की बैठक के बाद वह संवाददाता सम्मेलन कर रहे थे। इसमें उन्होंने जोर देकर सबसे मार्के की बात यही कही है कि ''देश में धर्मनिरपेक्ष जनतांत्रिक संविधान की रक्षा और आम लोगों के जीवन-जीविका में सुधार, यह सब पूरी तरह से मोदी सरकार को खत्म करके ही मुमकिन है। यह बात अब सब लोग समझ रहे हैं कि इस सरकार के रहते देश और जनता की रक्षा नहीं की जा सकती है। सभी राजनीतिक दलों पर मोदी सरकार को खत्म करने के लिए जनमत का दबाव बढ़ता जा रहा है। यह बहुत तात्पर्यपूर्ण लक्षण है कि पूरे देश में मोदी सरकार के खिलाफ जनता की एकता बढ़ रही है और विपक्ष की सभी पार्टियां जनमत के इस दबाव को महसूस करने लगी है।' इसमें सीताराम ने बिल्कुल सही, दूसरे किसी भी चुनावी लक्ष्य को शामिल करने, व्यक्तियों और दलों की राजनीतिक महत्त्वाकांक्षाओं को तरजीह देने को एक प्रकार का बचकानापन ही बताया है। उन्होंने सही कहा है कि इसके लिए चुनाव के पहले ही किसी प्रकार का महागठबंधन बनना जरूरी नहीं है। अधिक जरूरी है-मोदी की पराजय को सुनिश्चित करना, जिसे हर राज्य की जनता अपने प्रकार से सुनिश्चित करेगी। आज के चुनावी मोड की एक बड़ी सचाई यह है कि यदि जनता की धर्मनिरपेक्ष और जनतांत्रिक ताकतों के किसी भी अंश की अपनी ऐसी कोई राजनीति सामने नहीं आती है तो वे लोगों को अपने शत्रुओं की राजनीति का मोहरा बनाएंगे। राजनीति में शून्य का कोई स्थान नहीं होता। अधकचरे बुद्धिजीवी इसी शून्य का व्यवसाय करते हैं। हर क्षेत्र में सर्व-नकारवाद और हताशा की तारीफ करते हैं। अपने को राजनीति के, खास तौर पर संसदीय राजनीति के सरोकारों से ऊपर बताते हैं। विद्रोही बनते हैं। किसी एक तानाशाह की पूजा में या बहुलतावादी विभाजन में मतवाले ये तत्व अक्सर सबसे अधिक नफरत जिस चीज से करते हैं, वह है सीधे दो के बीच टक्कर से, अर्थात द्वंद्ववाद से। द्वंद्ववाद के बारे में लेनिन की बात याद आती है। वे कहते हैं कि ''द्वंद्ववाद का सार कभी भी कोई मजबूत और पूर्व-निर्धारित एकता में नहीं होता, बल्कि विरोधों की एकता में होता है, जो तत्काल (हमेशा) उस अभेद से संदर्भित होता है, जिसको छोड़ा नहीं जा सकता..एकता (संयोग, एकरूपता, बराबरी) शर्त-सापेक्ष, सामयिक, संक्रमणकारी और संदर्भित होती है। दो धुर-विरोधों के बीच संघर्ष वैसे ही एक परम-तत्व है, जैसे विकास और गति परम तत्व होते हैं।' इसीलिए इस ''अभेद', अंतिम लक्ष्य या गंतव्य के पहलू को संदर्भ में लिये बिना कभी भी आप दो की टकराहट में प्रत्येक पक्ष के अपने सत्य को नहीं समझ सकेंगे। अमर्त्य सेन कहते हैं, आगामी चुनाव में दांव पर भारत है। भारत-एक अभेद सोच। हजारों वर्षों में वैविध्य में एकता से निर्मित भारत। सबसे अधिक समझने की बात यह है कि द्वंद्ववाद की समस्या इस अभेद पर दिए जाने वाले अत्यधिक बल में नहीं है, बल्कि उसके प्रति किसी भी प्रकार की कमजोरी में है। इसके प्रति निष्ठा में कमी में है। अभी शशि थरूर ने अपने वक्तव्य में एक कटु सत्य कहा है कि 2019 में अगर मोदी जीतते हैं तो वे भारत को हिन्दू पाकिस्तान बना देंगे। उनके इस कथन न कोई अत्युक्ति है और न कोई कुउक्ति। पाकिस्तान का मतलब है धर्म आधारित राज्य। आरएसएस भारत में हिन्दुओं का धर्म आधारित राज्य ही तो बनाना चाहता है । फिर शशि थरूर ने गलत क्या कहा? तब उनके इस कथन के प्रति किसी प्रकार की दुविधा का कोई औचित्य नहीं है। लेनिन कहते हैं कि ''द्वंद्ववाद का सार-तत्व कभी मजबूत और पूर्व-निर्धारित एकता में नहीं होता, बल्कि विरोधों की एकता में होता है, जो तत्काल उस अभेद से संदर्भित होता है, जिसको कभी छोड़ा नहीं जा सकता।' इससे यदि कोई यह अर्थ निकाले कि असली एकता आपस में लड़ने या बंटने में हैं-ऐसे वामपंथी या ढुलमुलपंथी बचकानेपन को सैद्धांतिक/दार्शनिक आधार पर परखने की जरूरत है। वे विरोधों की एकता के असली मायने को ही नहीं पकड़ रहे हैं और अपने अलग, अवांतर एजेंडे को घुसा कर उस अभेद लक्ष्य को बांट देने में अपनी मुक्ति समझते हैं। यह उन्हें वस्तुत: शत्रु शिविर की सेवा में लगा देता है। द्वंद्ववाद में एक और एक दो नहीं होता, बल्कि एक ही रहता है। दोनों (अर्थात प्रत्येक एक) किसी-न-किसी अभेद में ही अपने को चरितार्थ करते हैं। या तो आप जनतांत्रिक धर्मनिरपेक्ष भारत के पक्ष में होंगे या फासीवादी धर्म आधारित भारत के पक्ष में। हम फिर दोहराएंगे, राजनीति के समर में बीच का रास्ता, या शून्य कुछ नहीं होता। यह शून्य अधकचरे बुद्धिजीवियों के अपने कारोबार का माल जरूर हो सकता है।

चलते चलते

छुआछूत और अस्पृश्यता

हिन्दू धर्म की वर्ण व्यवस्था, विशेषकर कर्मकांडी तबके में ऊंच-नीच का भेद बहुत खास कम नहीं हुआ है। श्रेष्ठ होने की पुरातन ग्रंथि आज भी विद्यमान है। कर्मकाण्ड से जुड़े एक ऐसे ही मामले में उत्तराखंड उच्च न्यायालय ने ऐतिहासिक फैसला दिया है।

आजाद भारत में छुआछूत खत्म करने में बेहद खामोशी के साथ अपनी भूमिका निभाई। मगर आज भी छुआछूत और अस्पृश्यता अच्छी-खासी आबादी की मानसिकता में जस-का-तस पैठे है, जो कभी किसी घटना के बहाने समाज को विमर्श की मुद्रा में ला देता है। हिन्दू धर्म की वर्ण व्यवस्था, विशेषकर कर्मकांडी तबके में ऊंच-नीच का भेद बहुत खास कम नहीं हुआ है। श्रेष्ठ होने की पुरातन ग्रंथि आज भी विद्यमान है। कर्मकाण्ड से जुड़े एक ऐसे ही मामले में उत्तराखंड उच्च न्यायालय ने ऐतिहासिक फैसला दिया है। अपने आदेश में न्यायालय ने पुजारी बनने के लिए किसी जाति विशेष से होने के अलिखित आरक्षण को खारिज कर दिया। दरअसल, न्यायालय में दाखिल एक जनहित याचिका में हरिद्वार में पुजारियों द्वारा निम्न जाति के लोगों से भेदभाव की शिकायत की गई थी। याचिका में यह भी कहा गया था कि पुजारी निम्न जाति के लोगों से पूजा कराना तो दूर उनसे दान-दक्षिणा तक नहीं लेते। सर्वविदित है कि निम्न जाति के लोगों को आज भी देश के कई धार्मिक स्थलों (जिसमें पूरी का जगन्नाथ मंदिर भी है) पर भेदभाव का दंश झेलना पड़ता है। जाहिर है, इस प्रकार के चलन वर्ण व्यवस्था, श्रेष्ठ होने के भाव की हिन्दू धर्म में यथास्थिति की पुष्टि करते हैं। ऐसा नहीं है कि एक वर्ग विशेष की पुरोहिती/मठाधीशी तोड़ने के प्रयास नहीं हुए। पटना के प्रसिद्ध हनुमान मंदिर में दो दशक पहले एक दलित पुजारी की नियुक्ति को उदाहरण के तौर पर लिया जाता है। यह संभव हुआ था पूर्व आईपीएस अधिकारी और मंदिर के न्यासी किशोर कुणाल की पहल पर। गीता में कर्म को धर्म कहा गया है, इसलिए समाज को भी सिर्फजाति विशेष के लोगों को कर्मकांड में प्राथमिकता देने की जगह पुरोहिती के प्रशिक्षण और वेद-शास्त्रों का अच्छी समझ रखने वालों को तरजीह देना चाहिए। जाति के आधार पर फर्क करने वाले पुरोहितों/पुजारियों को अधिकृत धार्मिक संस्थाओं/न्यासों द्वारा सख्त कार्रवाई करनी चाहिए। कानून तो अपना काम करने के लिए है ही। वैसे वर्तमान ''राष्ट्रवादी सरकार' का नेतृत्व कर रही भाजपा-एक मंदिर, एक कुंआ और एक श्मशान-के माध्यम से सामाजिक समरसता स्थापित करने की बात करती है। मगर फिलहाल यह पहल अधूरी जान पड़ती है।

पार्टी में आक्रामकता

गुजरात चुनाव के मतदान के बाद राहुल गांधी को कांग्रेस पार्टी की अध्यक्षता सौंप दी गई। उम्मीद की जा रही थी कि अब राहुल पार्टी को नये अंदाज में लोगों के बीच ले जाएंगे। पार्टी में कुछ आक्रामकता नजर आएगी। कर्नाटक चुनाव परिणाम के बाद ज्यादा सीटों के बावजूद छोटी पार्टी जनता दल (एस) के नेता को मुख्यमंत्री बनवाकर वास्तविकता समझने का परिचय भी दिया। साथ ही विपक्ष के ज्यादातर नेताओं को एक मंच पर लाकर सियासी हलचल भी पैदा की। इसके बावजूद कांग्रेस में जो आक्रामकता नजर आनी चाहिए थी, वह नहीं दिखी। यहां तक कि पार्टी में जनता के बीच पहुंचने की उत्सुकता और विपक्षी एकता के लिए जो ललक दिखनी चाहिए थी वह नहीं दिखी, जबकि 2014 के बाद नरेन्द्र मोदी के कार्यकाल के चार साल से ज्यादा के वक्त में आरएसएस और पार्टी कॉडर को अगर अलग कर दें तो ज्यादातर लोग अब 2014 में मोदी के वादों पर यकीन कर वोट देने को अपनी गलती मानने लगे हैं। और जो लोग खुले तौर पर कह नहीं पा रहे हैं, वह महसूस जरूर कर रहे हैं। जनता महसूस कर रही है कि न्यू इंडिया का ढिंढोरा पीटा जाना वैसा ही है, जैसा अटल बिहारी वाजपेयी के कार्यकाल 2004 में इंडिया शाइनिंग का था। मगर जनता यह भी कह रही है कि मोदी की जगह भरने के लिए कोई नजर नहीं आता।

मीडिया खास तौर से इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के 80 फीसद हिस्से पर भाजपा ही नजर आती है। प्रिंट मीडिया का भी यही हाल है। इसकी वजह यह है कि कांग्रेस न तो अपने एक्शन में आक्रामकता ला पा रही है और ना ही वह जनता की समस्याओं जैसे महंगाई, किसानों की बढ़ती खुदकुशी, रुपये की घटती कीमत, महिलाओं पर बढ़ते अत्याचार, राष्ट्र सुरक्षा, भाजपा शासित राज्यों में कानून व्यवसथा, सीमा पर बढ़ती दखलअंदाजी, रेप की बढ़ती वारदात, मॉब लिंचिंग और अर्थव्यवस्था के बिगड़े हालात जैसे मुद्दों को मजबूती से उठा पा रही है। इन मसलों पर भी वह सिर्फ सोशल मीडिया और प्रेस कांफ्रेंस तक सीमित नजर आती है। मीडिया चैनलों पर भी पार्टी प्रवक्त अपनी बात प्रभावी ढंग से नहीं रख पाते हैं। एक-दो दिन सक्रियता दिखाकर खामोश बैठ जाना या ट्वीट कर देने से काम चलने वाला नहीं।

सियासत में निरंतरता की जरूरत है। पार्टी में छिपे आरएसएस विचारधारा के लोगों के सलाह-मश्विरों को दरकिनार कर राहुल गांधी को खुद अपनी रणनीति तैयार करनी होगी। जनता से जुड़े मुद्दों को अगर 2019 में चुनावी मुद्दे बनाना हैं तो सड़कों पर उन मुद्दों को लाना होगा। ऐसा करने में हो सकता है उन्हें जेल जाना पड़े तो जाएं, भूख हड़ताल और अनशन करना पड़े तो करें।

लोकपाल, महिलाओं पर बढ़ते अत्याचार, रेप की बढ़ती घटनाएं, पेट्रोल-डीजल के बढ़ते दाम और भाजपा नेताओं के भ्रष्टाचार पर कार्रवाई न होने आदि को लेकर मैदान में कूद सकते हैं। ये तमाम मुद्दे अवाम से सीधे-सीधे जुड़े हैं। अगर राहुल गांधी इन मुद्दों को लेकर जनता के बीच जाते हैं तो जनता को यकीनी तौर पर सियासी रिक्तता भरने का भरोसा दिला सकते हैं। यही नहीं इसी के जरिए वो 2019 का एजेंडा भी सेट कर पाएंगे। राहुल की आक्रामकता विपक्ष को भी संगठित करेगी नहीं तो मोदी के लिए मैदान खाली है ही। एक बार फिर इस मुल्क की गरीब व वंचित जनता को एक ऐसी विचारधारा वाली सरकार को झेलना पड़ेगा, जो इस मुल्क के डीएनए में नहीं है। क्योंकि मोदी अपनी नाकामियों का ठीकरा भी विपक्ष पर मढ़ने लगे हैं।

सत्संग

संस्कार

शिक्षा का मुख्य उद्देश्य बालकों में मानवोचित संस्कार डालकर उन्हें सुसंस्कारित करके समाज का उपयोगी एवं सुयोग्य नागरिक बनाना है। विद्या वह है जो हमें मुक्त कर दे। जीवन से नहीं वरन अज्ञानता, अंधविास, कुरीतियों, बुराइयों, भेदभाव, घृणा, वैमनस्य, दुर्भाव आदि से। बच्चों या शिष्यों को जो भी हम सिखाएं हमें स्वयं भी अपने जीवन में उसका पालन करना चाहिए। चाहे उसकी आवश्यकता न हो तब भी, अन्यथा हमारी शिक्षा का चिरस्थायी प्रभाव नहीं होगा। आज की शिक्षण संस्थाएं विशुद्ध व्यावसायिकता में लिप्त हो गई हैं, उनका भी बच्चों को मानवता का पाठ पढ़ाने, उनके चारित्रिक उत्थान में, उन्हें संस्कारित बनाने की दिशा में योगदान नगण्य हो रहा है। हमें बच्चों के सर्वांगीण विकास का सार्थक प्रयास करना है और हम ऐसा कर सकते हैं। स्वयं को निर्बल, असहाय व असमर्थ न समझें अपितु निराभिमान होकर प्रभु स्मरण करते हुए सही दिशा में प्रयास करें तो कुछ भी असंभव नहीं है। जिस कार्य को किसी एक ने भी किया है, उसे हम भी कर सकते हैं, क्योंकि वह कार्य पहले भी किया गया है वह हो सकता है। वह असंभव नहीं कठिन हो सकता है। हमें नन्हे दीपक से प्रेरणा लेनी चाहिए। जब सूर्य पहली बार अस्ताचल की ओर यह कहते हुए चलने लगे कि मेरे बाद हर ओर अंधकार छा जाएगा; लोग ठोकरें खाएंगे, कौन उबारेगा उन्हें अंधकार से? कौन उन्हें ठोकरों से बचाएगा?..और कोई नहीं तब एक नन्हा-सा दीपक उठकर कहने लगा कि ''हे सूर्यदेव! माना कि मेरे अंदर आपके बराबर प्रकाश, सामर्य और बल नहीं है, लेकिन आप निश्चिंत होकर प्रकृति के नियमों का पालन करते हुए आगे बढ़ें। जब तक आप नहीं लौटेंगे, मैं तिल-तिल कर जलता रहूंगा। अपने घर को अंधेरे में रख लूंगा, लोगों का उपहास सहन कर लूंगा, मगर अंधकार को चीरकर लोगों को ठोकरों से बचाने की कोशिश जरूर करूंगा।' आप सब भी दीपक जैसा उत्साह, परोपकारी भावना हृदय में रखकर बच्चों को संस्कारित बनाने वाली, उन्हें सुयोग्य नागरिक बनाने वाली शिक्षा दे सकते हैं। वर्तमान शिक्षा पग्राली दोषपूर्ण है। यह शिक्षा नहीं, जिसने हमें माता-पिता, गुरु जनों, बुजुगरे, संस्कृति, शास्त्रों व राष्ट्र का सम्मान करना भुला दिया है।

फोटोग्राफी...

न्यू मार्केट रेस कोर्स में लेडीज डे...

ब्रिटिश शहर सफोल्क के न्यूमार्केट रेसकोर्स में लेडीज डे पर रेस देखने आई लड़कियों के हैट्स देखने वाले थे। जहां एक से बढ़कर हैट्स थे, वहीं ड्रेसेज भी कम नहीं थीं। रेसकोर्स में रेस खत्म होने के बाद स्टाइल अवॉर्ड्स भी करवाए गए जिसमें बेस्ट ड्रेस्ड और बेस्ट हेडगेयर के विनर्स चुने गए।

संक्षिप्त

३ लोगों की हत्या का प्रयास

बलिया, बलिया में शातिर बदमाशों ने हत्या के इरादे से तीन लोगों को गोली मार दी। तीन घायलों में दो गंभीर हैं। सभी को वाराणसी रेफर किया गया है। बलिया में बिल्थरारोड-उभांव थाना क्षेत्र के सोनाडीह गांव के पास कल अपराधियों ने तीन लोगों को गोली मार दी। मुरलीधर वर्मा (३२) पत्नी प्रियंका देवी (२९) ग्राम परौली तथा अजीत यादव (३०) ग्राम सुनाडीह को गोली लगी है। गोली लगने से तीनों लोग घायल हैं। इनमें से दो की हालत गंभीर है। सभी को वाराणसी रेफर किया गया है। जख्मी मुरलीधर वर्मा भाजपा के सीयर मंडल उपाध्यक्ष है। जिसके भाई प्रेमचंद्र वर्मा की 2012 में लूट के बाद हत्या कर दी गयी थी। हत्याकांड के ५० हजार का इनामी अपराधी रामाश्रय यादव जेल में है। इस मामले को खत्म करने को अपराधी पहले से ही दबाव दे रहे थे। जिसके गैंग के ही उक्त घटना को अंजाम देने की चर्चा है।

कूलर बनाते समय करंट से युवक की मौत

रेणुकूट (सोनभद्र), पिपरी नगर पंचायत क्षेत्र के वार्ड नंबर दो में कल शाम को करंट की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया। घटना से परिजनों में कोहराम मच गया। पुलिस के मुताबिक वार्ड नंबर दो स्थित न्यू मार्केट निवासी अशोक अग्रवाल (४०) अपने ही घर में कूलर बना रहे थे। इसी दौरान उसे करंट की चपेट में आ गए। उपचार के लिए किसी अस्पताल में ले जाते समय रास्ते में मौत हो गई।

बच्चों के बीच ड्रेस बांटने में सुस्ती

संतकबीर नगर, परिषदीय स्कूलों के छात्र-छात्राओं को मुफ्त ड्रेस वितरण की योजना भी लेटलतीफी की शिकार हो गई है। ग्रीष्मावकाश के बाद बच्चों का नाप लेकर पहले सात जुलाई तक फिर १५ जुलाई तक ड्रेस बांटने का निर्देश दिया गया पर ऐसा नहीं हो सका। विद्यालय प्रबंध समिति दावों पर खरी नहीं उतर पाई। इसलिए अब तक ६९ फीसद विद्यालय में ड्रेस नहीं वितरित की गई है। इसके लिए बीएसए ने प्रधानाध्यापकों व खंड शिक्षाधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे प्रबंध समिति के पदाधिकारियों से संपर्क करके जल्द से जल्द ड्रेस वितरण करके रिपोर्ट भेजना सुनिश्चित कराएं।

युवक की मौत

बस्ती, थाना क्षेत्र के बैहार गांव में कल देर शाम एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। परिजनों ने आनन-फानन में उसका दाह संस्कार कर दिया। पुलिस को घटना की जानकारी नहीं है। गांव के रामनिरंजन का (२५) पुत्र रवि काफी दिनों से बीमार था। छह भाई बहनों में वह सबसे बड़ा था। दो वर्ष पहले एक मार्ग दुर्घटना में उसके दोनों पैर जख्मी हो गए थे। जिसको लेकर वह काफी परेशान रहा करता था। कल शाम घर के लोग खेतों में काम करने गए थे।

अरबपतियों की संख्या बढ़ा रही भाजपा सरकार

फैजाबाद, भारत की जनवादी नौजवानसभा की जिला कमेटी की बैठक वजीरगंज स्थित कार्यालय पर जिलाध्यक्ष धीरज द्विवेदी की अध्यक्षता व शिवधर के संचालन में संपन्न हुई, जिसमें मुख्य अतिथि प्रदेश सचिव राधेश्याम वर्मा ने कहा कि भाजपा सरकार गरीबों के हिस्से का धन पूंजीपतियों को पहुंचाकर अरबपतियों की संख्या बढ़ा रही है। पिछले चार साल में प्रधान सेवक ने जनता से ज्यादा कारपोरेट जगत की सेवा में दिनरात एक कर दिया। एक प्रतिशत लोगों के पास देश की 59 प्रतिशत संपत्ति पहुंच गई। इसके बावजूद गरीबी बढ़ी। महिलाओं के लिए सबसे असुरक्षित देशों में हमारा स्थान अव्वल हो गया। बेरोजगारी में लगातार बढ़ोतरी जारी है। किसान आत्महत्या करने को और मजबूर हुए हैं।

ट्रक के धक्के से बाइक सवार की मौत

मुहम्मदाबाद (गाजीपुर), शहबाजकुली के पास कल दोपहर में ट्रक के धक्के से बलिया जनपद के रसड़ा थाना क्षेत्र के रामपुर गांव निवासी युवक राजेश यादव (२६) की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेज दिया। रामपुर गांव निवासी राजेश बाइक से किसी काम से जिला मुख्यालय आया था। दोपहर में वह घर लौट रहा था कि शहबाजकुली के पास तेज रफ्तार ट्रक से धक्का लग गया। सिर में गंभीर चोट लगने के कारण राजेश की मौके पर ही मौत हो गई।

गैस सिलेंडर से होटल में लगी आग

गोंडा, कल एक होटल पर गैस सिलेंडर से आग लग जाने पर दुकान में रखे हजारों रुपए के सामान जलकर राख हो गया। आसपास के लोगों के सहयोग से आग पर काबू पाया जा सका है। नगर पंचायत मनकापुर के मोहल्ला पटेल नगर निवासी रमेश कुमार गुप्ता मनकापुर-उतरौला मार्ग पर गुप्ता बिरयानी कार्नर नाम से होटल चलाते हैं। जिस पर कल दोपहर बाद मटन बनाने के लिए गैस खोला वैसे ही पाइप में आग लग गयी और देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। आसपास के दुकानदारों के सहयोग से आग पर काबू पाया गया। इस दौरान दुकान में रखे फ्रीज, कूलर, इनवर्टर, बैट्री व फर्नीचर जल कर राख हो गये। लोगों द्वारा अग्नि शमन व डायल 100 को घटना की सूचना दी गई। सूचना पाकर मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड ने आग पर काबू पाया।

गड्ढे में गिरने से युवक की मौत

बलरामपुर, कोतवाली क्षेत्र के मटेहना गांव के पास दौरा पड़ने से गड्ढे में भरे पानी में गिरकर युवक की मौत हो गई है। पुलिस ने शव का पंचनामा करके परिजनों को सौंप दिया। थाना कोतवाली गैंसड़ी के ग्राम बसंतपुर निवासी प्रेम प्रकाश पुत्र रामानंद कल सुबह बसंतपुर से मटेहना चौराहा जा रहा था। रास्ते में बने पुल के निकट उसे दौरा पड़ा जिसके कारण वह सड़क के नीचे पानी से भरे गड्ढे में गिर गया। आसपास गांव के लोगों ने उसे निकाल कर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गैंसड़ी लाए। जहां डा. वीरेंद्र आर्य ने उसे मृत्यु घोषित कर दिया। मौके पर प्रभारी निरीक्षक सुरेंद्र कुमार शर्मा ने बताया कि दौरा आने से उसकी पानी में गिरने से उसकी मौत हो गई। परिवार के लोग पोस्ट मार्टम नहीं कराना चाहते थे। इसलिए पंचनामा कराकर शव परिजनों को सौंप दिया गया।

मोदी सरकार ने पूरा नहीं किया कोई भी वादा-राणा गोस्वामी

मुंगराबादशाहपुर (जौनपुर), कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव राणा गोस्वामी ने कहा केंद्र की मोदी सरकार

के दिन पूरे हो चले हैं। सरकार के कार्यकाल का अंतिम चरण चल रहा है और उसने एक भी वादा पूरा नहीं किया है। पिछले लोकसभा चुनाव के समय किए गए सभी वादे हवा-हवाई साबित हुए हैं। आजिज आ चुकी जनता सबक सिखाने को अगले लोकसभा चुनाव का इंतजार कर रही है। वह यहां पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। राणा गोस्वामी ने कहा वर्ष 2014 के आम चुनाव में कांग्रेस सरकार की नाकामियों को गिनाते हुए देश की जनता से बड़े-बड़े वादे किए थे। जिन्हें पूरा करने के लिए 60 महीने का समय मांगा था। कोई भी वादा पूरा नहीं किया। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार वादाखिलाफी से जनता को जागरुक करने को राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी के निर्देश पर देश भर में जन जागरण शुरू किया गया है। इसकी शुरुआत देश के सबसे बड़े सूबे उत्तर प्रदेश में इलाहाबाद से हो गई है। वाराणसी मंडल प्रभारी दिग्विजय सिंह ने कहा भाजपा की कथनी व करनी में बहुत अंतर है। जनता इनके धोखे को समझ चुकी है। इसके पूर्व कांग्रेस के वरिष्ठ नेता प्रमोद के सिंह व प्रदेश सचिव अभिषेक शुक्ला के नेतृत्व में पार्टी कार्यकर्ताओं ने माल्यार्पण कर राणा गोस्वामी का जोरदार स्वागत किया। जिलाध्यक्ष इंद्र भुवन सिंह, देवानंद मिश्रा, ब्रह्मदेव दुबे, सौरभ तिवारी, अखिलेश श्रीवास्तव, नंद लाल दुबे, दीपक मिश्रा, मणींद्र दुबे सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने लगाया जनता दरबार, दिया कार्रवाई का आश्वासन

गोरखपुर, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपनी कर्मस्थली गोरखपुर में प्रवास के दूसरे दिन सुबह की दिनचर्या के बाद जनता दरबार में लोगों से भेंट की। उनके मिलने के लिए गोरखनाथ मंदिर प्रांगण में भारी भीड़ उमड़ी थी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लोगों की समस्या सुनने के बाद अधिकारियों को कार्रवाई का निर्देश भी दिया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कल सुबह गोरखपुर में जनता दरबार लगाकर लोगों की शिकायतें सुनीं। दो दिनी गोरखपुर दौरे के दूसरे दिन कल मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनता दरबार लगाया और फरियादियों की समस्याएं सुनीं। गोरखनाथ मंदिर परिसर के हिंदू सेवाश्रम में लगे जनता दरबार में मुख्यमंत्री ने करीब 150 लोगों की फरियाद सुनी और समस्या का निस्तारण का आश्वासन दिया। इन सभी की फरियाद सुनने के दौरान सीएम योगी आदित्यनाथ इन सभी की समस्या निस्तारण में तेजी लाने के लिए अधिकारियों को निर्देश भी देते रहे। अधिकारियों

ने करीब 350 लोगों का फरियादी पत्र लिया। मुख्यमंत्री का जनता दरबार 10 बजे लगा जबकि फरियादी अपने शिकायती पत्र के साथ सोमवार को तड़के ही पहुंचने लगे थे। निर्धारित समय तक करीब पांच सौ फरियादी हिंदू सेवाश्रम में पहुंच गए थे। भीड़ को देखते हुए जिलाधिकारी के. विजयेंद्र पांडियन और एसएसपी शलभ माथुर ने मुख्यमंत्री के पहुंचने से पहले ही करीब 350 फरियादियों की समस्याएं सुनीं और निस्तारण का प्रयास किया। इससे पहले मुख्यमंत्री की दिनचर्या परंपरागत रही।

बारिश में छत से उतरते समय मजदूर गिरा, मौत

इलाहाबाद, कौशांबी के पूरामुफ्ती थाना क्षेत्र के तेरहमील बाजार में घर की छत पर सो रहा मजदूर बारिश होने के कारण नीचे उतरने लगा। अचानक पैर फिसल गया और बिना चहारदीवारी वाली छत से वह नीचे आ गिरा। सिर में गंभीर चोट लगने के कारण उसने अस्पताल में इलाज के दौरान तड़प कर दम तोड़ दिया। इलाहाबाद के सोरांव महेशगंज निवासी मोहनलाल का (३५) बेटा ज्ञानचंद्र मजदूरी करके परिवार का भरण पोषण करता था। उसने तेरामील में किराए पर कमरा ले रखा था। साथ में पत्नी व दो बच्चे भी रहते हैं। रात अचानक बारिश होने लगी। इस पर वह परिवार के साथ आनन-फानन में बिस्तर उठाकर नीचे उतरने लगा। बिना चहारदीवारी की छत पर उसका पैर फिसल गया और वह नीचे आ गिरा। ज्ञानचंद्र लहूलुहान होकर बेसुध हो गया। रोने-चीखने की आवाज सुनकर पड़ोसी समेत अन्य लोग जाग गए। एंबुलेंस की मदद से उसे मूरतगंज पीएचसी में भर्ती कराया गया लेकिन इलाज के दौरान कुछ ही देर में उसकी मौत हो गई।

ग्रामीण बच्चों ने पेश की नजीर, अब तो बदलिए शहर की तस्वीर

वाराणसी, देश की तकदीर बदलने का माद्दा रखने वाले नौनिहालों ने कल अपने क्षेत्र की सूरत बदलने की ठानी। किताब-कापी की बजाय थामा बोरी और डंडा। गांव भर में फैले पालीथिन को इन बच्चों में कुछ ही घंटों समेट का नजीर पेश

की। जी हां, बात हो रही है काजीसराय गड़वां गांव के बच्चों की। पालीथिन के नुकसान की भयावहता को देखते हुए प्रदेश सरकार ने 15 जुलाई से इसे पूरी तरह प्रतिबंधित कर दिया है। इसी क्रम में कल प्राथमिक विद्यालय के बच्चों ने सहायक अध्यापक कमलेश कुमार पांडेय के नेतृत्व में गांव को पालीथिन मुक्त करने के लिए रैली निकाली। ग्राम प्रधान भाईलाल के सहयोग से बच्चों ने गांववालों को पालीथिन का प्रयोग न करने के लिए जागरूक किया। गांव को स्वच्छ बनाने का संदेश दिया। बच्चे गांव में फैले पालीथिन को बोरी में इकट्ठा करते गए। कमलेश कुमार ने बताया कि गांव भर से इकट्ठा पालीथिन को गांव के बाहर एक बड़े गड्ढे में डाल दिया गया है। कचरा बीनने वालों को बुलाकर निस्तारण करा दिया जाएगा। अभियान में तेजेश पांडेय, जयश कुमार पांडेय, श्याम कुमार, सूरज प्रजापति, करन प्रजापति, अमन, विवेक, दीपक, आशीष, मोनू, आकाश, आशीष, विनोद, सोनी, किशन, सोनम, पूनम आदि बच्चे शामिल थे। पालीथिन मुक्त प्रदेश बनाने के अभियान को सफल बनाने के लिए करखियाव स्थित एग्रो पार्क के उद्यमियों ने फूलपुर से पिंडरा तक जन जागरूकता रैली निकालकर कैरी बैग ग्रामीणों में वितरित किया।

चुनार को मिली पक्के पुल की सौगात, आवागमन शुरू

चुनार (मिर्जापुर), प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा मिर्जापुर के चंदईपुर में आयोजित कार्यक्रम में चुनार के पुल का लोकार्पण किए जाने के बाद दोपहर पुल पर दो पहिया वाहन और पैदल यात्रियों का आवागमन शुरू करा दिया गया। पुल चालू होने के बाद चुनार इलाके के सैकड़ों गांवों के लोगों को बनारस जाने के लिए करीब पंद्रह से बीस किलोमीटर कम दूरी तय करनी पड़ेगी और पूरे वर्ष क्षेत्र का चुनार तहसील मुख्यालय से कनेक्शन बना रहेगा। विधायक ने करीब एक किलोमीटर लंबे पुल का पैदल निरीक्षण किया और बताया कि अभी कुछ तकनीकी कारणों से पुल पर चार पहिया एवं भारी वाहनों का आवागमन शुरू नहीं कराया जा सका है। पंद्रह से बीस दिन में लोड टेस्टिंग समेत अन्य औपचारिकताएं पूरी कर लिए जाने के बाद वह भी शुरू करा दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि योगी सरकार की दृढ़ इच्छाशक्ति के परिणाम स्वरूप सवा साल में यह पुल चुनार की जनता को समर्पित कर दिया गया। विधायक ने पिछली सरकारों को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि यह काम पांच वर्ष पहले ही पूरा हो जाना चाहिए था। पुल के दोनों छोर पर प्रभारी निरीक्षक कमलेश कुमार पाल के नेतृत्व चुनार पुलिस यातायात सुगम कराने में जुटी रही। एक पखवारे का करना होगा इंतजार पिछले

साढ़े 11 वर्षों से पुल की बाट जोह रहे इलाके के लोगों को पुल पर आवागमन शुरू होने से हर्ष का माहौल है। वहीं दूसरी ओर कुछ तकनीकी कारणों से अभी चार पहिया वाहनों को आने जाने के करीब एक पखवारे से अधिक इंतजार करना पड़ेगा।

सरयू में वजू का विरोध करने वालों पर बरसे संत

अयोध्या (फैजाबाद), सरयू में वजू का विरोध करने वालों पर संत जमकर बरसे। जानकीघाट स्थित अभयदाता हनुमान मंदिर में बैठक कर संतों ने वजू का विरोध करने वालों को राममंदिर निर्माण के सौहार्दपूर्ण प्रयासों में बाधा करार दिया। बैठक को संबोधित करने वालों में रामजन्मभूमि न्यास के अध्यक्ष एवं मणिरामदासजी की छावनी के महंत नृत्यगोपालदास ने वजू के विरोध में सरयू को पवित्र करने की मुहिम को पाखंड बताया। कहा, सरयू सब को पवित्र करने वाली हैं और उन्हें पवित्र करने का प्रयास अशास्त्रीय है। बैठक में विचार व्यक्त करते हुए रामवल्लभाकुंज के अधिकारी राजकुमारदास ने कहा, सरयू में मुस्लिम बंधुओं के वजू का विरोध करने वाले वही लोग हैं, जिन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जैसे यशस्वी राजनीतिज्ञों पर अभद्र टिप्पणी का दुस्साहस किया। उन्होंने कहा कि प्रयागराज जब पाप धोते-धोते कलुषित हो जाते हैं तो वे अपना पाप धोने के लिए पुण्यसलिला सरयू का आश्रय लेते हैं। राजकुमारदास ने वजू का विरोध करने वालों की राष्ट्रनिष्ठा पर सवाल उठाया और कहा कि यह घोर अशिष्टता है कि जो मुस्लिम बंधु राममंदिर और सरयू के प्रति आदर भाव लेकर अयोध्या आए थे, उनका विरोध किया जाय। आंजनेय सेवा संस्थान के अध्यक्ष महंत शशिकांतदास ने कहा, जो मां सरयू सारे संसार का पाप धोती हैं, उन्हें पवित्र करने का दावा दुस्साहस जैसा है। ईश्वरदास त्यागी ने कहा, वजू का विरोध करने वाले मंथरा की तरह कुटिल-कपटी हैं। उन्होंने हिंदू-मुस्लिम के भेद से ऊपर उठने का आह्वान किया और कहा कि जो राम का है, वही मान्य है और गत गुरुवार को अयोध्या में एकत्र हुए मुस्लिम राम के हैं। इस मौके पर दिगंबर अखाड़ा के महंत सुरेशदास, बड़ा भक्तमाल मंदिर के महंत अवधेशदास, जगन्नाथ मंदिर के महंत राघवदास, तपस्वीजी की छावनी के महंत परमहंसदास आदि ने भी विचार रखे।

पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे बलिया को वंचित कर पीएम व सीएम ने किया अपमान-नीरज शेखर

बलिया, राज्यसभा सदस्य नीरज शेखर ने कहा कि एक्सप्रेस-वे से बलिया को वंचित रखकर प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री ने जिले का अपमान किया है। इसके लिए सपा सड़क से लेकर सदन तक संघर्ष करेगी। सवाल खड़ा किया कि जिस पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे का शिलान्यास आठ सितंबर 2016 को तत्कालीन मुख्यमंत्री अखिलेश यादव कर चुके हैं, इसका दोबारा शिलान्यास करने का क्या औचित्य था। भाजपा के नेताओं से भी अपील की कि वे जिले के सम्मान व स्वाभिमान की इस लड़ाई में सहयोग करें। वे कल चंद्रशेखरनगर स्थित झोपड़ी में पत्रकार वार्ता में बोल रहे थे। कहा कि जिस प्रकार भाजपा के सांसद व

मंत्री ने दावा किया था कि पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे लखनऊ से बलिया तक बनेगा, उससे हम सबको भी उम्मीद जगी थी। कुछ पल में सबकुछ निराशा में बदल गया। प्रधानमंत्री ने एक बार भी लखनऊ से बलिया तक की बात कह दी होती तो जिले के लोग खुश हो जाते। सपा सरकार में भी गाजीपुर तक ही एक्सप्रेस-वे के शिलान्यास के सवाल पर कहा कि यह सच है कि शिलान्यास के समय शिलापट्ट पर गाजीपुर तक का ही जिक्र था लेकिन उसके बाद जब हम सबने अपने नेता से इसे बलिया तक बढ़ाने की मांग की तो उन्होंने सदन में इसकी घोषणा की थी। इसका रिकार्ड भी मौजूद है। इस मौके पर एमएलसी रविशंकर सिंह पप्पू, पूर्व राज्यमंत्री व्यास जी गोंड, पूर्व विधायक सनातन पांडेय, ब्लाक प्रमुख वंशीधर यादव व संजय सिंह आदि थे।

१० बाइक के साथ २५ हजार का इनामी गैगस्टर गिरफ्तार

मऊ, जनपद में बाइक चोरियां पुलिस के लिए सिरदर्द बनी हुई थीं। तमाम प्रयास के बाद भी लगाम नहीं लग पा रही थी। ऐसे में पुलिस ने 'एंटी थेफ्ट टीम' यानि वाहन चोरी निरोधक दल का गठन किया। कई दिनों तक दल के अथक प्रयास के बाद कल देर शाम इसका अंजाम सार्थक निकला। गठित टीम व कोतवाली पुलिस के सहयोग से 10 चोरी की बाइकों सहित इनामी गैगस्टर पुलिस के हत्थे चढ़ा। अपर पुलिस अधीक्षक शैलेंद्र कुमार श्रीवास्तव व सीओ सिटी राजकुमार ने कल इसका खुलासा किया। एंटी थेफ्ट टीम ने सूचना दी कि वाहन चोर चोरी की बाइकों संग मंडी समिति के पास इकट्ठे हैं। इस पर सक्रिय पुलिस ने दलबल के साथ छापा मार तो यहां २५ हजार का इनामी सहित तीन वाहन चोरों को गिरफ्तार किया गया। जनपद में वाहन चोरी के लिए किंगकांग के नाम से मशहूर शातिर ने आजमगढ़, मऊ, गाजीपुर, बलिया आदि जनपदों के नए लड़कों से बाइक चोरी का काम कराता था। वे नई बाइकों को 10 हजार व पुरानी को पांच हजार में बेचते थे। सीओ सिटी राजकुमार व कोतवाल शिशिर त्रिवेदी ने बताया कि इसका नेटवर्क आसपास के जनपदों में फैला हुआ है। इसकी निशानदेही पर अभी कई मामलों का खुलासा किया जाएगा।

चालक की मौत

अमेठी, कल भोर में एक तेज रफ्तार टैंकर अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गया। हादसे में चालक की मौके पर मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटनाक्रम के मुताबिक ऊंचाहार से राख लेकर गौरीगंज स्थित टिकरिया फैक्ट्री जा रहा टैंकर की भोर में अनियंत्रित होकर कोतवाली क्षेत्र के गांव जवाहरगंज के निकट सड़क किनारे एक महुए के पेड़ से टकरा गया। दुर्घटना में ऊंचाहार थानाक्षेत्र के खुर्रमपुर गांव निवासी इंद्रेश पुत्र सुख्खू गांव की मौके पर मौत हो गयी। आसपास के ग्रामीणों की सूचना पर पहुंचे कोतवाली प्रभारी रविंद्र सिंह ने शव को कब्जे में ले लिया है और परिजनों को खबर दी।

ईट का जवाब पत्थर से देने आएंगे अखिलेश-हवलदार

आजमगढ़, सपा जिलाध्यक्ष हवलदार यादव ने कहा कि पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे के नाम पर शिलान्यास करने आए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूर्वांचल की जनता को झुनझुना थमा दिया। कोई पैकेज केंद्रीय विश्वविद्यालय व रेलवे लाइन की घोषणा नहीं की बल्कि पूर्वांचल की जनता को भ्रमित किया। इसका जवाब देने के लिए सपा मुखिया अखिलेश यादव जल्द ही आएंगे। पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे का शिलान्यास २२ दिसंबर २०१६ को तत्कालीन मुख्यमंत्री अखिलेश

यादव ने कर दिया था। यह परियोजना सपा मुखिया की ड्रीम प्रोजेक्ट थी। इससे किसान, मजदूर, बेरोजगार, व्यापारी सभी लाभान्वित होंगे। सपा कार्यालय पर पत्रकारों से बातचीत करते हुए हवलदार यादव ने कहा कि भाजपा की सवा चार साल की केंद्र में मोदी की सरकार व सवा साल की योगी की प्रदेश सरकार हर मोर्चे पर विफल रही है। उसके पास विकास का कोई माडल नहीं है। इससे अखिलेश यादव द्वारा किए गए विकास, जनहित व जनकल्याणकारी योजनाओं का शिलान्यास एवं उद्घाटन कर रहे हैं। लखनऊ में मेट्रो ट्रेन का शिलान्यास व उद्घाटन, नोएडा में सैमसंग कंपनी का उद्घाटन जो परियोजनाएं अखिलेश यादव के कार्यकाल में स्वीकृत हुई थीं। अपनी योजना बता रहे हैं। इससे बड़ा झूठ बोलने का इतिहास में कोई उदाहरण नहीं मिलता। इस अवसर पर हरिराम सिंह यादव, राजाराम सोनकर, प्रेमा यादव आदि उपस्थित थे।

राजकीय सम्मान के साथ आईटीबीपी जवान का अंतिम संस्कार

अमेठी, भारत-तिब्बत सीमा पर जायस कस्बा निवासी आईटीबीपी जवान का बुधवार को निधन हो गया था। जवान का शव देर रात घर पहुंचा। कल राजकीय सम्मान के साथ उसका अंतिम संस्कार किया गया। दिवंगत जवान के घर पहुंचीं जिलाधिकारी व एसपी ने परिजनों को ढांढस बंधाया। अरुणाचल प्रदेश स्थित भारत-तिब्बत सीमा पर कस्बे के कंचाना मोहल्ला निवासी अरुण कुमार की तैनाती थी। बुधवार को उनका निधन हो गया था। जवान का पार्थिव शरीर पैतृक

निवास पहुंचा। शव घर पहुंचते ही कोहराम मच गया। पत्नी विजय लक्ष्मी बच्चों एवं मृतक की मां लल्ली देवी का रो-रोकर बुरा हाल था। डीएम शकुंतला गौतम व एसपी केके गहलोत ने जवान के घर पर पहुंचकर मां, पत्नी व बच्चों से मिलकर ढांढस बंधाया और हर संभव मदद का आश्वासन दिया। बेटा अभिषेक पिता के गम में बेसुध हो गया। करुण क्रंदन सुनकर जो भी वहा मौजूद रहे, वे रो पड़े। शव यात्रा सुबह ग्यारह बजे घर से लगभग एक किलोमीटर दूर पैतृक कब्रिस्तान लाया गया, जहा पर डीएम व एसपी के साथ ही क्षेत्रीय विधायक मयंकेश्वर शरण सिंह ने पुष्प चक्र अर्पित करते हुए जवान को श्रद्धांजलि दी। साथ आए आईटीबीपी के जवानों ने गार्ड आफ आनर दिया। इस अवसर पर एसडीएम तिलोई गिरजेश चौधरी, सीओ मुसाफिरखाना सूक्ष्म प्रकाश, पालिका अध्यक्ष महेश प्रताप, मो. आकिफ शानू, सभासद शकील इदरीसी, आस मोहम्मद, बंसीलाल, पूर्व पालिका अध्यक्ष राम नारायण, प्रभारी कोतवाली रवींद्र सिंह समेत कई थानों की पुलिस मौजूद रही।

प्रसव के बाद महिला की मौत, परिजनों का हंगामा

देवरिया, बनकटा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर प्रसव के बाद महिला की बिगड़ी हालत के बाद चिकित्सक ने उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया। जिला अस्पताल पहुंचने से पहले ही महिला ने इस दुनिया को अलविदा कह दिया। जिला अस्पताल पहुंचे परिजनों ने कुछ देर तक हंगामा किया और बनकटा में कर्मचारियों द्वारा लापरवाही बतरने का आरोप लगाया। बनकटा थाना क्षेत्र के ग्राम रामपुर फरार निवासी ज्ञांती देवी पत्नी सुग्रीव इस समय गर्भवती थी, परिजनों का कहना है कि सुबह उसको प्रसव पीड़ा शुरू हो गया, प्रसव पीड़ा होने के बाद ज्ञांती को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बनकटा पहुंचाया गया, जहां ज्ञांती ने एक बच्ची को जन्म तो दिया लेकिन इसके बाद उसको रक्तस्त्राव होने लगा और उसकी स्थिति बिगड़ने लगी। पहले तो वहां के कर्मचारी सूई-दवा करते रहे। बाद में ज्ञांती को जिला अस्पताल ले जाने की बात कह दी। तत्काल ज्ञांती को जिला अस्पताल के लिए लेकर चल दिए, लेकिन रास्ते में उसने दम तोड़ दिया। परिजनों का कहना है कि बनकटा अस्पताल के कर्मचारियों ने लापरवाही बरती है।

रानीबाजार व सेमरा में चला अतिक्रमण, हटवाए कब्जे

गोंडा, कल अतिक्रमण पर एक बार फिर प्रशासन की नजरें टेढ़ी हो गई। सिटी मजिस्ट्रेट की अगुवाई में

सुबह से ही पुलिस व पालिका का दस्ता रानीबाजार में पहुंच गया। पूरे दिन चले अभियान के दौरान एक सौ से अधिक अवैध कब्जे हटाए गए। नगर क्षेत्र के रानी बाजार और सेमरा इलाके में नगर मजिस्ट्रेट पीडी गुप्ता के नेतृत्व में लोक निर्माण विभाग, पुलिस और प्रशासन के संयुक्त दस्ते ने आज अतिक्रमण विरोधी अभियान चलाकर अतिक्रमण कर चल रहे अवैध बूचड़खानों के साथ अस्थाई अतिक्रमण ध्वस्त कर दिया सिटी मजिस्ट्रेट ने बताया कि जय नारायण चौराहे से रानी बाजार की ओर सड़को के किनारे प्रतिस्पर्धा के चलते दुकानदारों ने टीन शेड , छज्जा , चबूतरा व अन्य तरीकों से अतिक्रमण कर लिया था, जिससे सड़क संकरी हो गई थी। उसे खाली करवा दिया गया है। इसके अतिरिक्त रेलवे ओवरब्रिज के उस पार गांधी विद्यालय के बाहर सड़क के किनारे बने नाले पर अतिक्रमण कर अधिकांश लोगों ने दुकानें बना ली थी, जिसे भी हटवा दिया गया है। अवैध तरीके से बूचड़खाने के कारण नालों की सफाई नहीं हो पा रही थी, उस पर भी कार्रवाई की गई है।

सपा की सरकार बनी तो चंदौली में बनेगा मेडिकल कालेज

चंदौली, सूबे में समाजवादी पार्टी की सरकार बनी तो चंदौली के माधोपुर में मेडिकल कालेज बनेगा। पार्टी के अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव

ने पूर्व विधायक मनोज सिंह को भरोसा दिया है। दरअसल, पूर्व विधायक के गांव माधोपुर में ही मेडिकल कालेज बनाने को भूमि चिन्हित हुई थी। सपा की तत्कालीन सरकार ने बजट भी जारी कर दिया था। सपा के पूर्व विधायक मनोज सिंह कल लखनऊ में सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव से मुलाकात की। उन्हें बताया कि चंदौली में बनने वाला मेडिकल कालेज मिर्जापुर में चला गया। आज प्रधानमंत्री जी ने उसका शिलान्यास भी कर दिया। पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि हम जनता के हितों के साथ समझौता नहीं करते। सूबे में सपा की सरकार बनी तो चन्दौली में मेडिकल कालेज भी बनेगा। भाजपा सरकार का निर्णय राजनीतिक द्वेष का परिचायक है। मिर्जापुर में मेडिकल कालेज बने अच्छी बात है।

रोडवेज बस लूट मामले में दो शातिर बदमाश गिरफ्तार

प्रतापगढ़, चार दिन पहले लालगंज कोतवाली क्षेत्र के सगरा सुंदरपुर में रोडवेज बस कंडक्टर से हुई लूट में पुलिस ने दो शातिर बदमाशों को गिरफ्तार किया

है। उनके कब्जे से पुलिस ने लूट का 10 हजार रुपया, कंडक्टर का टिकट बैग, तमंचा आदि बरामद किया है। पुलिस ने पकड़े गए बदमाशों के गैंग लीडर समेत चार साथियों की तलाश कर रही है। लालगंज कोतवाली के एसएसआई कृपाशंकर राय व स्वाट प्रभारी सुनील यादव को भोर में मुखबिर से सूचना मिली कि लीलापुर में किस्मत होटल पर कुछ संदिग्ध लोग खड़े हैं, जो किसी भी घटना को अंजाम दे सकते हैं। इस पर पुलिस टीम कल भोर में चार बजे किस्मत होटल पहुंची। पुलिस को अपनी ओर आते देखकर होटल के सामने खड़े चार व्यक्ति भागने लगे। पुलिस टीम ने घेराबंदी करके दो लोगों को पकड़ लिया, जबकि उनके दो साथी भाग गए। पुलिस ने पकड़े गए आनंद कुमार सरोज पुत्र सुखनंदन सरोज निवासी सगरा सुंदरपुर, लालगंज व दीपक सरोज पुत्र गिरीशचंद सरोज निवासी पूरे पांडेय (पतुलकी), जेठवारा की तलाशी ली तो उनके पास से 10 हजार रुपया, कंडक्टर का टिकट बैग, तमंचा, कारतूस बरामद हुआ। जबकि मौके से जुनैद पुत्र रफीक निवासी शकूहाबाद, लालगंज, दानिश खां पुत्र वासिक निवासी दुबाही, मऊआइमा, इलाहाबाद भागने में कामयाब रहे। कल दोपहर सई कांप्लेक्स में आयोजित प्रेस वार्ता में एसपी संतोष कुमार सिंह ने बताया कि पकड़े गए दीपक सरोज व आनंद सरोज ने जुनैद, दानिश, हफीक पुत्र शमसाद और नजीब पुत्र मोहम्मद शफीक निवासीगण शकूहाबाद, लालगंज के साथ 12 जुलाई को भोर में सगरा सुंदरपुर के पास रोडवेज बस कंडक्टर प्रभाशंकर से लूट किया था। गैंग का लीडर हफीक पुत्र शमसाद है। घटना के दिन भोर में चार बजे इन छह बदमाशों ने सगरा सुंदरपुर में रोडवेज बस रोकवा लिया था। आनंद, हफीक व नजीब बस में सवार हो गए। आगे बढ़ने पर कंडक्टर ने टिकट के लिए किराया मांगा तो बदमाशों ने उसे तमंचा सटाकर रुपयों भरा बैग लूट लिया था। बैग में 41 हजार रुपये थे। दानिश, दीपक व जुनैद रोडवेज के पीछे मोटर साइकिल से लगे थे। एसपी ने बस कंडक्टर से लूट की घटना को वर्कआउट करने और दो बदमाशों की गिरफ्तारी करने पर पुलिस टीम को पांच हजार रुपये का पुरस्कार दिया है।

ओरी-रूबेला टीकाकरण का राज्यव्यापी प्रारंभ कराते रुपाणी

अभियान को सफल बनाने सभी नागरिक-माता-पिता स्वैच्छिक सेवा संस्थाओं-स्कूलों को मुख्यमंत्री से अपील

गांधीनगर । मुख्यमंत्री विजय रुपाणी ने ओरी और रूबेला टीकाकरण अभियान का राज्यव्यापी प्रारंभ कराते राज्य के सभी नागरिक-माता-पिता और स्कूलों तथा स्वैच्छिक सेवा संस्थाओं को इस अभियान में सक्रिय होकर राज्य का ९ महीने से १५ वर्ष तक का एक भी बच्चा ओरी टीकाकरण से वंचित नहीं रहे ऐसी अपील की है । उन्होंने कहा कि, हेल्धी गुजरात का उद्देश्य को सफल बनाने के लिए यह ओरी रूबेला टीकाकरण के तहत राज्य के करीब १.५ करोड़ बच्चों को शामिल करने का अभियान चलाया गया है । विजय रुपाणी ने यह अभियान का राज्यव्यापी प्रारंभ गांधीनगर में सेक्टर-७ की माध्यमिक स्कूल से कराया था । विजय रुपाणी ने बताया है कि, ओरी का शिकार राज्य का कोई भी बच्चा नहीं बने तथा गर्भवती मां को भी कोई संक्रमण नहीं लगे और जन्मजात विकृति वाला संतान नहीं पैदा हो इसके लिए यह ओरी रूबेला टीकाकरण १ मई गुजरात स्थापना दिवस से शुरू किया गया है । अब इसे अभियान के रूप में राज्य की सभी स्कूलों में शुरू करके स्वास्थ्य विभाग ओरी मुक्त गुजरात के लिए संकल्पबद्ध है । यह अभियान के अवसर पर स्वास्थ्य राज्यमंत्री कुमार कानाणी, मेयर प्रवीण पटेल स्वास्थ्य के अतिरिक्त मुख्य सचिव पीके. परमार स्वास्थ्य कमिशनर डॉ. जयंति राव और यूनिसेफ के गुजरात प्रतिनिधि फारूख सहित अधिकारी स्वास्थ्य कर्मचारी उपस्थित हुए । यहां निर्देश करना जरूरी है कि, राज्यभर में सोमवार से यह ओरी-रूबेला टीकाकरण अभियान के तहत पांच सप्ताह के लिए शुरू कराया गया है । २०२० तक में पूरे देश में ओरी का निराकरण और रूबेला पर का नियंत्रण यह सरकार का उद्देश्य है । देश के २० राज्यों में यह सबसे बड़ा इन्जेक्टेबल टीकाकरण अभियान में ९५ फीसदी से ज्यादा लोगों को शामिल किया गया है । गुजरात में ९ महीने से लेकर १५ वर्ष के १.६ करोड़ बच्चों को इस टीकाकरण में शामिल किया जाएगा ।

महिला सुपरिन्टेन्डेन्ट की गला से चेइन स्नेचिंग हुई

महिला द्वारा मणिनगर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज

अहमदाबाद । शहर में प्रतिदिन चेइन स्नेचरों का आतंक बढ़ता जा रहा है । चेइन स्नेचर बेखौफ बनकर चेइन स्नेचिंग के अपराध को बेखौफ तरीके से अंजाम दे रहे है । हाल में ही शहर की मिर्जापुर ग्रामीण कोर्ट में सुपरिन्टेन्डेन्ट के तौर पर डयुटी कर रही हीनाबहन भट्ट के गले में से चेइन स्नेचर सोने की चेइन लूटकर फरार हो जाने पर पूरे क्षेत्र में भारी सनसनी मच गई थी । हीनाबहन ने इस मामले में मणिनगर पुलिस में अर्जी देकर चेइन स्नेचरों को गिरफ्तार करने के लिए पुलिस को समय दिया था लेकिन १५ दिन बाद भी पुलिस चेइन स्नेचरों को गिरफ्तार नहीं करने पर आखिर में मिर्जापुर ग्रामीण कोर्ट की महिला सुपरिन्टेन्डेन्ट हीनाबहन भट्ट ने आखिर में मणिनगर में अज्ञात चेइन स्नेचरों के विरूद्ध शिकायत दर्ज करायी गई थी । मणिनगर पुलिस ने मामले की गंभीरता को ध्यान में लेकर जांच शुरू की गई है । इस बारे में मिली जानकारी के अनुसार, शहर के मणिनगर क्षेत्र में स्थित सहारा अपार्टमेन्ट में रहती और मिर्जापुर ग्रामीण कोर्ट में सुपरिन्टेन्डेन्ट के तहत डयुटी कर रही हीनाबहन भट्ट ने मणिनगर पुलिस में दो अज्ञात युवकों के विरूद्ध में चेइन स्नेचिंग मामले में शिकायत की । शिकायत में लगाये गये आरोप के अनुसार, तारीख १ जुलाई को हीनाबहन कांकरिया में मोर्निंग वोक के लिए गई थी । मोर्निंग वोक करके हीनाबहन वापस आ रही थी उस समय में एक्टिवा पर आये दो अज्ञात शख्सों ने उनके गले से ४५ हजार रुपये की सोने की चेइन खींचकर फरार हो गये थे । हीनाबहन के शोर मचाने पर लोग जमा हो गये, हालांकि चेइन स्नेचर एक्टिवा लेकर रामबाग की तरफ चले गये । उस समय में हीनाबहन मणिनगर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराने के लिए गई थी, हालांकि पुलिस ने उनकी अर्जी लेकर जांच शुरू की थी । यह पूरे मामले में शिकायतकर्ता हीनाबहन ने बताया है कि, चेइन स्नेचरों ने चेइन तोड़ने के बाद वह पुलिस स्टेशन में शिकायत करने के लिए गई थी उस समय पुलिस ने शिकायत की जगह पर अर्जी देने का कहा था ।

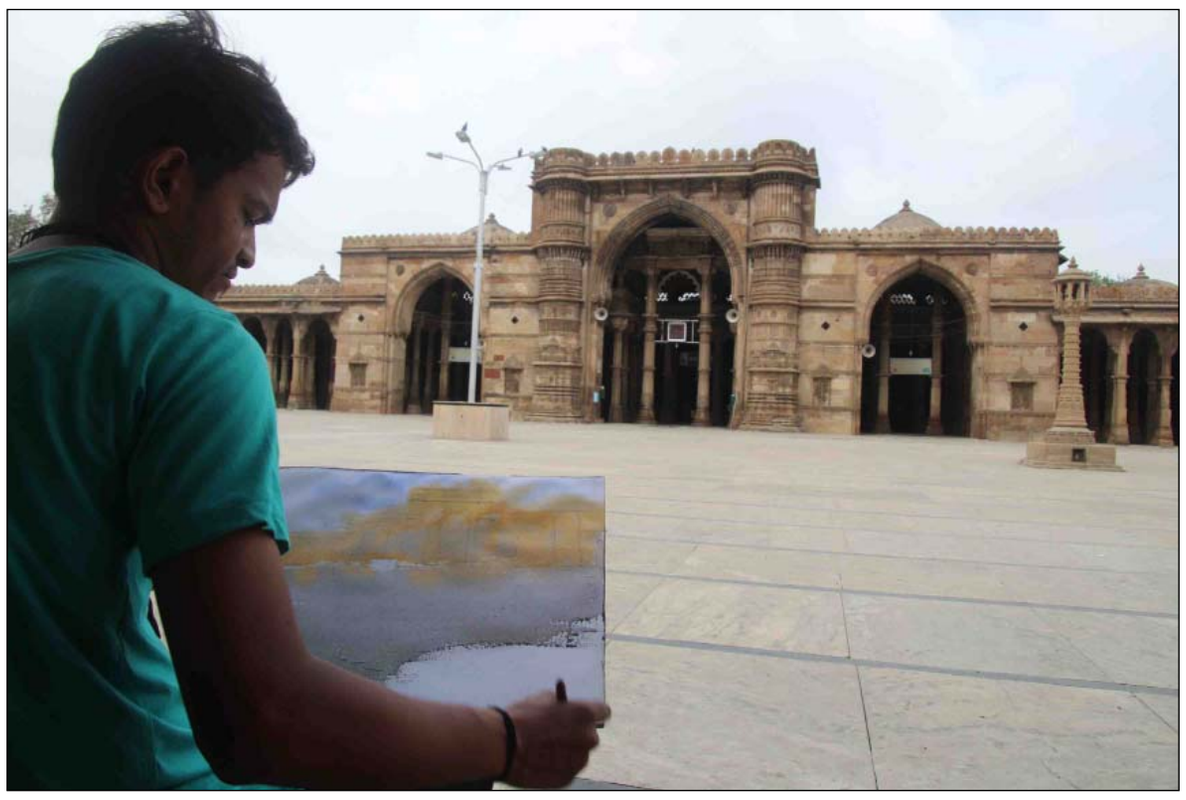

इन्टरनेशनल क्रिएटीव आर्ट सेन्टर के १२ कुशल विद्यार्थी शहर के अलग-अलग क्षेत्र में जा रहे है और वोटर कलर पेन्टींग कर रहे है । यह विद्यार्थियों ने अहमदाबाद शहर के अलग-अलग क्षेत्र में पहुंचे और लाइव पेन्टींग बनायी गई ।

मॉनसून माहौल : धीरे-धीरे सभी जगहों पर बारिश हुई

राज्य के ८२ तहसीलों में उल्लेखनीय बारिश : जेसर में ९ इंच, कामरेज-गणदेवी में सात इंच बारिश से सनसनी

सूरत। राज्य में धीरे-धीरे मॉनसून का माहौल बन रहा है । पिछले २४ घंटे में बूंदाबांदी बारिश राज्य में हुई है । राज्य के ८२ तहसीलों में उल्लेखनीय बारिश हुई है। जिसमें भावनगर जिला के जेसर तहसील में २२५ मीमी., यानी कि ९ इंच, जबकि सूरत जिला के कामरेज तहसील में १७८ मीमी. और नवसारी जिले के गणदेवी में १७८ मीमी. मिलाकर कुल दो तहसीलों में सात इंच से ज्यादा बारिश होने की रिपोर्ट है । राज्य के स्टेट इमरजन्सी ऑपरेशन सेन्टर द्वारा मिली रिपोट्स के अनुसार, तारीख १६.०७.२०१८ को सुबह में ७ बजे पूरा होने पर २४ घंटे के दौरान ओलपाड तहसील में १६८ मीमी., कपराडा में १६८ मीमी. और खेरगाम तहसील में १५० मीमी. मिलाकर कुल तीन तहसीलों में ६ इंच से ज्यादा जबकि चीखली तहसील में १४२ मीमी. सूरत शहर में १४१ मीमी., पारडी में १३४ मीमी. मिलाकर कुल चार तहसीलों में पांच इंच से ज्यादा और वांसदा तहसील में १२२ मीमी., बारडोली तहसील में १२० मीमी., खंभात और वघई में १११ मीमी., वापी में १०८ मीमी., बरवाला में १०५ मीमी., जलालपोर में १०३ मीमी. और नवसारी में १०२ मीमी. मिलाकर कुल ८ तहसीलों में ४ इंच से ज्यादा बारिश हुई है । इसके अलावा महुवा तहसील में ९५ मीमी., वलसाड में ९५ मीमी., पालीताणा-राणपुर-पलसाणा में ९४ मीमी., उमरगाम में ८८ मीमी. हांसोट में ८७ मीमी. महुवा (भावनगर) में ८६ मीमी., अंकलेश्वर में ८५ मीमी., डोलवण में ८४ मीमी. तलाजा में ७६ मीमी., धंधूका में ७३ मीमी. मिलाकर कुल ११ तहसीलों में ३ इंच से ज्यादा और मांगरोल तहसील में ७० मीमी., और वलसाड में ६९ मीमी., वडगाम और धरमपुर में ६६ मीमी., संतरामपुर और मेंदरणा में ६३ मीमी., शिहोर में ६१ मीमी. नसवाडी और वालीया में ६० मीमी., खेडब्रह्मा में ५८ मीमी., डेडीयापाडा में ५४ मीमी., थराद में ५३ मीमी., दांतीवाडा और धोधा में ५२ मीमी., तलाला में ५० मीमी. और चोर्यासी में ५० मीमी. मिलाकर कुल १७ तहसीलों में २ इंच से ज्यादा बारिश हुई है ।

मध्य गुजरात में बडौदा सहित के क्षेत्रों में बारिश की तूफानी इनींग

अहमदाबाद । गुजरात -सौराष्ट्र के क्षेत्रों में पिछले एक सप्ताह से बारिश ने जोरदार कहर बरपाया है एक के बाद एक क्षेत्रों में कहर मचा रहा है । बारिश ने पिछले २४ घंटे में गीरसोमनाथ जिला के गीरगढडा, डांग के वघई, उनाला, सूरत के ओलपाड, बडौदा के अकोटा, उना के उमेज, भावनगर के जेसर सहित के कई क्षेत्रों को जैसे बारिश ने बंधक बनाया हो ।

अहमदाबाद में भी भारी बारिश की भविष्यवाणी

अहमदाबाद । अहमदाबाद में भी भारी बारिश की भविष्यवाणी प्रशासन द्वारा की गई है । मौसम विभाग का कहना है कि, लोगों को सावधान रहने की जरूरत है । दक्षिण गुजरात और सौराष्ट्र के अधिकतर हिस्सों में भारी बारिश हो रही है तब अहमदाबाद में अभी भी बारिश काफी कम है । ऐसी स्थिति में सोमवार को भविष्यवाणी करने के बाद लोग बारिश को लेकर उत्सुक दिखाई दे रहे है । सोमवार को अहमदाबाद में महत्तम तापमान ३१.८ और न्यूनत्तम तापमान २५.५ डिग्री रहा ।

अहमदाबाद में उल्टी-दस्त के १४ दिन में ४६२ केस

साधारण मलेरिया के १४ दिन में १२८ केस सामने आये

अहमदाबाद। अहमदाबाद शहर में म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन द्वारा मक्खीजनित और जलजनित महामारी को रोकने के लिए अब अलग-अलग क्षेत्र में दवाई छिड़काव करने की कार्रवाई शुरू की गई है । बारिश का माहौल होने के कारण विशेष सावधानी रखी जा रही है फिर भी मक्खीजनित और जलजनित बीमारी के केस लगातार सामने आ रहे है । जलजनित केस की बात की जाए तो अहमदाबाद शहर में जुलाई महीने में १४ दिन में ही उल्टी-दस्त के ४६२, पीलिया के २८०, टाइफाइड के २२८ और कोलेरा के तीन केस सामने आये है । इसी तरीके से मक्खीजनित केस की बात की जाए तो जुलाई महीने में १४ दिन में ही साधारण मलेरिया के १२८, जहरीली मलेरिया के ३, डेन्यु के ११ केस अहमदाबाद में उल्टी-दस्त के १४ दिन में ४६२ केस साधारण मलेरिया के १४ दिन में १२८ केस सामने आये १४ दिन में पीलिया के २८० केस से सनसनी दर्ज किए गए हैं । जुलाई-२०१७ के दौरान ब्लड के लिए गए १०४८६६ सेम्पल के सामने १४ जुलाई २०१८ तक में ४०७७६ ब्लड के सेम्पल की जांच की गई है । इसी तरीके से जुलाई २०१७ के दौरान लिए गए २८६१ सिरम सेम्पल के सामने जुलाई २०१८ में अभी तक ८५१ सिरम सेम्पल लिए गए हैं । अहमदाबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के हेल्थ विभाग द्वारा जलजनित महामारी में रोकने के तहत पानी के मुख्य स्त्रोत और घरों में से इस महीने के दौरान १७२८७ रेसीडेन्टल क्लोरिन टेस्ट किया गया है । इसके अलावा हाईरिस्क क्षेत्रों और केस दर्ज किए गए हो ऐसे क्षेत्र से इस महीने के दौरान १९६१ पानी के सेम्पल बेक्टीरीयोलोजीकल टेस्ट के लिए गये है । यह महीने के दौरान ४४९०५० क्लोरिन दवाई का वितरण किया गया है । इसके अलावा फूड सेफ्टी एंड स्टान्डर्ड एक्ट के तहत इस महीने के दौरान ८७ अलग-अलग खाद्य पदार्थों के सेम्पल लिए गए हैं जिसके तहत ५०६२ किलोग्राम अखाद्य पदार्थों का जत्था नष्ट किया गया है । फ्लाइंग स्कवोर्ड द्वारा भी अलग-अलग पदार्थों के सेम्पल लेकर जांच की जा चुकी है । जुलाई २०१८ तक में ८७ अलग-अलग खाद्य पदार्थों के सेम्पल लिए गए है । सभी सेम्पल में जांच बाकी है ।

शहर में ग्रीन कवर सिर्फ ४.६६% ही ग्रीन कवर रहा

अहमदाबाद । मेगासिटी अहमदाबाद करीब ४६६ चौ. किमी. क्षेत्र में फैला हुआ है । शहर के भौगोलिक क्षेत्र को देखते हुए १५ फीसदी क्षेत्र ग्रीन कवर के तहत होना जरूरी है लेकिन काफी चौंकानेवाली सच्चाई तो यह है कि, शहर में सिर्फ ४.६६ फीसदी ग्रीन कवर रहा है । प्रशासन द्वारा आगामी मॉनसून में नये १.५० लाख पेड़ बुवाई की कवायद प्रारंभ होने की वजह से वर्ष २०१२ के सर्वे के अनुसार, अहमदाबाद में नीम के सबसे ज्यादा १.४३ लाख पेड़ दर्ज किए गए थे । चालू मॉनसून में म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन का डेढ़ लाख से ज्यादा पेड़ बुवाई करने का टार्गेट है । हालांकि, शहर के ग्रीन कवर को बढ़ाने के लिए अहमदाबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन सहित राज्य सरकार के सत्ताधीशों ने प्रभावी कदम उठाने पड़ेंगे यह पर्यावरणवादी का मानना है । पेड़ ही जीवन की सिर्फ बातें होती है लेकिन वास्तव में मनुष्य का जीवन हराभरा बनाने के लिए पेड़ों को शिकार बनाया जा रहा है ।

महादेव मीडिया

रोहताश यादव 9924144499, 7015339195

वीजिटिंग कार्ड, बिल बुक, लेटर पैड, बेनर, पोस्टर, आदि का डिजाइन बनवाने के लिए संपर्क करें। (हिन्दी, गुजराती)

हिन्दी, गुजराती न्युज पेपर डिजाईन करवाने के लिए संपर्क करें।

304 केवल कॉम्पलेक्ष नवा गाम, डिंडोली, उधना सूरत।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित, **संपादक :- सुरेश मौर्या** फोन नं. (9879141480) **RNI.No. : GUJHIN/2018/75100**, E-mail: krantisamay@gmail.com